भारत निविदा लाईन समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र

क्राइम की हर खबर....

सावित्रीबाई फुले का किरदार पर्दे पर निभाना बड़ी जिम्मेदारी थी

■ वर्ष : 18 ■ अंक:25 ■ नई दिल्ली 28 मार्च से 03 अप्रैल 2025 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

वक्फ संशोधन विधेयक 2025 पर संसद की लगी मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा ने वक्फ बोर्डों की जवाबदेही , पारदर्शिता तथा दक्षता बढाने के लिए लाये गये वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक 2025 को विपक्षी सदस्यों के सभी संशोधनों को खारिज करते हुए शुक्रवार को मतविभाजन के जरिये 95 के मुकाबले 128 मतों से पारित कर दिया।

सदन ने द्रमुक के तिरूचि शिवा के एक संशोधन प्रस्ताव को भी मतविभाजन के जरिये खारिज किया। इस प्रस्ताव के पक्ष में 92 और विपक्ष में 125 मत पड़े।

इसके साथ ही विधेयक पर संसद की मुहर लग गयी। लोकसभा इसे पहले ही पारित कर चुकी है। विपक्षी दलों के अनेक सदस्यों ने विधेयक के तकरीबन हर अनुच्छेद में संशोधन के प्रस्ताव दिये थे लेकिन सदन ने इन सभी प्रस्तावों को ध्वनिमत से खारिज कर दिया।

अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विधेयक पर करीब तेरह घंटे चली चर्चा का देर रात सवा एक बजे बेहद संक्षिप्त जवाब देते हुए कहा कि यह विधेयक किसी की धार्मिक भावना को चोट पहुंचाने के लिए नहीं बल्कि मुस्लिम समुदाय के अधिक से अधिक लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए लाया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वक्फ संपत्तियों में किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि सरकार ने विधेयक में संयुक्त संसदीय समिति की सिफारिशों तथा देश भर के अन्य हितधारकों के ज्यादा से ज्यादा सुझावों को शामिल किया है। उन्होंने कहा कि मसौदा विधेयक और मूल विधेयक के स्वरूपों को देखकर इस बात का भलीभांति अंदाजा लगाया जा सकता है कि सरकार ने सभी हितधारकों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि जिन संपत्तियों के दस्तावेज हैं उनके साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की जायेगी।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्ष कह रहा है कि देश के मुसलमान गरीब हैं तो सोचने की बात है कि वे किसके कारण गरीब हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश में सबसे अधिक समय तक सरकार तो कांग्रेस की ही रही है।

वक्फ बोर्ड में गैर मुस्लिम को शामिल किये जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड एक वैधानिक संस्था है तो इस तरह की संस्थाओं का धर्मनिरपेक्ष होना जरूरी है इसलिए इसमें मुस्लिम समुदाय से अलग कुछ लोगों को शामिल किया जा रहा है लेकिन उनका बहुमत नहीं रहेगा और वक्फ बोर्ड का प्रबंधन मुस्लिमों के पास ही रहेगा।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि देश भर से अनेक शिष्टमंडलों ने वक्फ बोर्डों में एकाधिकार को समाप्त करने की मांग की थी और इसे ध्यान में रखकर विधेयक में सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देकर इसे समावेशी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक से मुसलमानों का फायदा होने वाला है और विपक्ष को लोगों को बेवजह गुमराह नहीं करना चाहिए।

वक्फ विधेयक से जमीन हड़पने पर रोक लगेगी और करोड़ो मुसलमानों का जीवन आबाद होगाः रिजिजू

नई दिल्ली। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरूवार को राज्यसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक 2025 पेश करते हुए कहा कि ये विधेयक किसी की धार्मिक भावना को चोट पहुंचाने के लिए नहीं बल्कि वक्फ बोर्डों की जवाबदेही, पारदर्शिता तथा दक्षता बढाने के लिए लाये गये हैं । उन्होंने कहा कि यह विधेयक देश में एक नया सवेरा लेकर आया है और इसीलिए इस एक्ट का नाम ह्यउम्मीदद्ध रखा गया है। इसमें कलेक्टर से लेकर बोर्ड के हर व्यक्ति की भूमिका को पारदर्शिता के साथ जवाबदेह बनाया गया है। इसका उद्देश्य सबका सशक्तिकरण करना है। इससे जहां जमीन हड़पने की मनमानी प्रक्रिया पर रोक लगेगी वहीं करोड़ों गरीब मुसलमानों का जीवन आबाद होगा। श्री रिजिजू ने कहा कि अब वक्फ बोर्डों का केन्द्रीकृत डेटाबेस रहेगा और सभी वक्फ संपत्ति का पूरी तरह से पंजीकरण कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे ज्यादा संपत्ति भारत में वक्फ बोर्ड के पास है लेकिन गरीबों को इससे कोई फायदा नहीं मिल रहा है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आज से पहले कोई भी विधेयक इतने विचार विमर्श के बाद नहीं लाया गया है। अल्पसंख्यक मंत्रालय ने इस विधेयक को तैयार करने से पहले देशभर में सभी हितधारकों से साथ व्यापक विचार विमर्श किया था। इसके बाद संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष 284 संगठनों और सभी हितधारकों ने ज्ञापन दिये और 97 लाख लोगों ने अपने मत रखे। संयुक्त समिति ने दस शहरों में जाकर लोगों से बात की है। इस तरह से इस विधेयक पर एक करोड़ से ज्यादा सुझाव मिले हैं।

अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकार छीन रही है सरकारः खरगे

नई दिल्ली। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकार छीन रही है।

उन्होंने सदन में विधायक पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि देश में ऐसा माहौल बन रहा है कि यह विधेयक अल्पसंख्यक समुदाय को परेशान करने के लिए है। विधेयक में कई ऐसे तथ्य और संदर्भ दिए गए हैं, जिनकी आवश्यकता नहीं है। श्री खरगे ने कहा कि लोकसभा में विधेयक को विभाजन से पारित किया गया और मत विभाजन में बड़ा अंतर नहीं था। इसका तात्पर्य है कि विधेयक में कमियां है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के माध्यम से सरकार और अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों को छीनने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार अल्पसंख्यक समुदाय के लिए आवंटन में लगातार कटौती कर रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों की छात्रवृतियां बंद कर दी गई है और कई संस्थाओं को वित्तीय मदद नहीं दी जा रही है। विपक्ष के नेता ने कहा कि पुराने कानून में जो बदलाव किए जा रहे हैं वह लोगों को तबाह करने के लिए है। उन्होंने कहा कि शक्तियों का केंद्रीकर किया जा रहा है और सरकार अपना कब्जा जमा रही है। उन्होंने आशंका जताई कि वक्फ की संपत्ति को कॉरपोरेट या उद्योग घराने को दिया जा रहा है। समझ सकती है जिलाधीश में निहित कर दी गई है और उसी को विवाद की स्थिति में निर्णय भी करने होंगे।

सरकार की नजर वक्फ की संपत्ति परः हुसैन

नई दिल्ली। राज्यसभा में गुरुवार को वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक हुयी। कांग्रेस के सैयद नासिर हुसैन ने केन्द्र में सत्तारूढ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर देश में ध्रुवीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुये कहा कि सरकार यह विधेयक सिर्फ वक्फ की संपत्ति को हड़पने के लिए लेकर आयी है जबकि भाजपा के राधामोहन दास अग्रवाल ने कहा कि इसका उद्देश्य वक्फ द्वारा किसी की संपत्ति पर दावा करने से रोकना और वक्फ की संपत्तियों का गरीब मुस्लिमों के उत्थान के लिए उपयोग करना है। श्री हुसैन ने वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक 2025 पर चर्चा की शुरूआत करते हुये कहा कि 1995 में और वर्ष 2013 में जब इससे जुड़े विधेयक लाये गये थे तब भाजपा ने समर्थन किया था। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा ने इसका क्यों समर्थन किया था और इसको सर्वसम्मति से पारित क्यों किया गया था। वर्ष 2009 में भाजपा ने अपने चुनाव घोषणा पत्र में इससे जुड़ी एक समिति की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुये उसको लागू करने की बात कही थी। वर्ष 2013 में कांग्रेस सरकार ने उस समित और सच्चर समिति की रिपोर्ट को मिलाकर संशोधन किया था और उसका भाजपा ने समर्थन किया था।

उन्होंने कहा कि 2014 से 2024 तक केन्द्र में रही मोदी सरकार को यह समक्ष नहीं आया कि वक्फ कानून तुष्टीकरण वाला कानून है। वर्ष 2024 में जब भाजपा लोकसभा चुनाव में 400 सीटें नहीं जीत पायी और उसको 240 सीटें मिली तो इस संशोधन को लेकर आ गयी ताकि ध्रुवीकरण किया जा सके और धर्म की राजनीति की जा सके। उन्होंने इस विधेयक को मुस्लिम समुदाय को बदनाम करने वाला बताते हुये कहा कि वक्फ कानून को लेकर भ्रामक प्रचार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सुयक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट को सदन में रखा जाना चाहिए कितने लोग विरोध में थे और कितने लोग पक्ष में थे यह पता चल सके।

भारत-थाईलैंड ने कायम की रणनीतिक साझीदारी

मानव तस्करी के खिलाफ मिल कर काम करेंगे'

बैंकॉक, एजेंसी। भारत और थाईलैंड ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझीदारी का रूप देने के साथ सुरक्षा एजेंसियों के बीच रणनीतिक संवाद शुरू करने, मानव तस्करी और अवैध उत्प्रवासन के खिलाफ मिल कर काम करने की घोषणा की है तथा डिजीटल एवं उच्च प्रौद्योगिकियों, लघु एवं मध्यम उद्यमों, हथकरघा एवं हस्तशिल्प के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति जतायी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और थाईलैंड की प्रधानमंत्री यिंगलक शिन्नावात के बीच गुरुवार को यहां हुई द्विपक्षीय बैठक में ये निर्णय लिये गये। दोनों देशों ने आपसी सहयोग के छह समझौतों पर हस्ताक्षर एवं आदान करने के साथ ही हिन्द प्रशांत क्षेत्र में स्वतंत्र, खुले, समावेशी एवं नियम आधारित नौवहन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी। भारत ने आसियान की एकता और आसियान की केन्द्रीयता का पूर्ण समर्थन दोहराया।

दोनों देशों ने जिन समझौतों पर हस्ताक्षर किये हैं, उनमें भारत-थाईलैंड रणनीतिक साझीदारी की स्थापना पर संयुक्त घोषणा, डिजिटल प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में सहयोग पर थाईलैंड साम्राज्य के डिजिटल अर्थव्यवस्था और समाज मंत्रालय तथा भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन, भारत के बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय के सागरमाला प्रभाग और थाईलैंड साम्राज्य के संस्कृति मंत्रालय के ललित कला विभाग के बीच गुजरात के लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (एनएमएचसी) के विकास के लिए समझौता ज्ञापन, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के क्षेत्र में सहयोग पर भारत के राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लिमिटेड (एनएसआईसी) और थाईलैंड साम्राज्य के लघु और मध्यम उद्यम संवर्धन कार्यालय (ओएसएमईपी) के बीच समझौता ज्ञापन, भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय (एमडीओएनईआर) और थाईलैंड साम्राज्य के विदेश मामलों के मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन तथा भारत के उत्तर पूर्वी हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम लिमिटेड (एनईएचएचडीसी) और थाईलैंड सरकार की क्रिएटिव इकोनॉमी एजेंसी (सीईए) के बीच समझौता ज्ञापन शामिल हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने प्रेस वक्तव्य में थाईलैंड में उनके एवं भारतीय प्रतिनिधिमंडल के आतिथ्य के लिए प्रधानमंत्री शिन्नावात का आभार व्यक्त किया। उन्होंने 28 मार्च को आए भूकंप में हुई जनहानि के लिए भारत के लोगों की ओर से गहरी संवेदनाएं प्रकट कीं और, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और थाईलैंड के सदियों पुराने संबंध हमारे गहरे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक सूत्रों से जुड़े हैं। बौद्ध धर्म के प्रसार ने हमारे जन-जन को जोड़ा है।

दीर्घकालिक और अल्पकालिक चुनौतियों के समाधान की योजना बनाये सेनाः राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों से बदलते भू-रणनीतिक बदलावों और अनिश्चितताओं से भरे वैश्विक सुरक्षा परिदृश्यों को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक और अल्पकालिक चुनौतियों के समाधान की योजना बनाने को कहा है।

श्री सिंह ने गुरूवार को यहां सेना के शीर्ष कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मौजूदा भू-रणनीतिक अनिश्चितताओं और जटिल विश्व स्थिति वैश्विक स्तर पर सभी को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा, वर्तमान दुनिया एक दूसरे से जुड़ी हुई दुनिया है और ऐसी घटनाएं चाहे हमारे पड़ोस में हो या दूर के देशों में, सभी को प्रभावित करेंगी। हाइब्रिड युद्ध सहित अपरंपरागत और असममित युद्ध भविष्य के पारंपरिक युद्धों का हिस्सा होंगे।

साइबर, सूचना, संचार, व्यापार और वित्त सभी भविष्य के संघर्षों का अभिन्न अंग बन गए हैं। यह आवश्यक है कि सशस्त्र बलों को योजना बनाते और रणनीति बनाते समय इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखना होगा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि बदलती गतिशील भू-रणनीतिक परिवर्तनों और अनिश्चितताओं के साथ चल रहे वैश्विक सुरक्षा परिदृश्यों को ध्यान में रखते हुए सशस्त्र बलों को दीर्घकालिक और अल्पकालिक दोनों चुनौतियों का समाधान करते हुए एक गतिशील परिप्रेक्ष्य योजना तैयार करनी चाहिए। वर्तमान वैश्विक संदर्भ में आधुनिक तकनीक को शामिल करने वाली सैन्य खुफिया जानकारी के महत्व पर अधिक जोर नहीं दिया जा सकता है।

उत्तरी सीमाओं पर वर्तमान स्थिति पर रक्षा मंत्री ने सैनिकों पर पूरा भरोसा जताया और सशस्त्र बलों को दृढ़ता और सतर्कता के साथ खड़े रहने के लिए बधाई दी और कहा कि इसे जारी रहना चाहिए।

श्री सिंह ने बीआरओ के प्रयासों की सराहना की, जिसके कारण कठिन परिस्थितियों में काम करते हुए पश्चिमी और उत्तरी दोनों सीमाओं पर सड़क संचार में भारी सुधार हुआ है। पश्चिमी सीमाओं पर स्थिति का उल्लेख करते हुए, उन्होंने सीमा पार आतंकवाद के प्रति भारतीय सेना की प्रतिक्रिया की सराहना की, हालांकि विरोधी द्वारा छद्म युद्ध जारी है। रक्षा मंत्री ने कहा, मैं जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खतरे से निपटने में सीएपीएफ/पुलिस बलों और सेना के बीच उत्कृष्ट तालमेल की सराहना करता हूं। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में समन्वित अभियान क्षेत्र में स्थिरता बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं और ऐसा ही होना चाहिए।

उत्तर भारत में गर्मी मचाने वाली है तांडव

दक्षिण भारत के राज्यों में बारिश, आंधी तूफान व बिजली कड़कने की चेतावनी जारी की गई

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर भारत में गर्मी का कहर बढ़ने वाला है। अगले सात दिनों में गर्मी का तांडव दिखने वाला है। उत्तर भारत में अधिकतम तापमान तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा। इसके अलावा, दक्षिण भारत के राज्यों में बारिश, आंधी तूफान व बिजली कड़कने की चेतावनी जारी की गई है। दो से छह अप्रैल के बीच दक्षिण भारत में भारी बारिश होगी। हीटवेव की बात करें तो सौराष्ट्र और कच्छ में अगले सात दिनों तक इसका कहर देखने को मिलेगा। वहीं, पश्चिमी राजस्थान में सात और आठ अप्रैल को हीटवेव चलने वाली है।

पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, इंटीरियर कर्नाटक, तमिलनाडु में तेज हवाएं चलीं। वहीं, तमिलनाडु में भारी बरसात हुई। इसके अलावा, मध्य महाराष्ट्र में ओले गिरे। सौराष्ट्र और कच्छ में हीटवेव रिकॉर्ड की गई।

दक्षिण भारत की बात करें तो 2-6 अप्रैल के बीच आंधी तूफान, बिजली कड़कने का अलर्ट है। इसके अलावा, मध्य भारत, महाराष्ट्र, गंगीय पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा में दो से चार अप्रैल के बीच बारिश होगी। मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा में दो अप्रैल, विदर्भ, उत्तरी इंटीरियर कर्नाटक में दो और तीन अप्रैल, पश्चिमी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, साउथ इंटीरियर कर्नाटक में तीन अप्रैल को ओले गिरेंगे। वहीं, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, तटीय इंटीरियर कर्नाटक में दो से पांच अप्रैल, केरल, माहे में दो से छह अप्रैल और उत्तरी इंटीरियर कर्नाटक के इलाकों में तीन अप्रैल को भारी बरसात होने जा रही है।

मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि उत्तर पश्चिम भारत में अगले सात दिनों में अधिकतम तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने जा रही है। मध्य भारत में दो दिनों के बाद अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री की बढ़ोतरी होगी। वहीं, पश्चिमी भारत में तीन दिनों के बाद दो से तीन डिग्री पारा बढ़ जाएगा।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता खराब की श्रेणी में दर्ज

दिल्ली में बुधवार को न्यूनतम तापमान 14.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत से 4.6 डिग्री कम है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिन में मुख्यतः आसमान साफ रहने का अनुमान जताया है। सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 50 प्रतिशत दर्ज की गई। आईएमडी ने कहा कि अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 201 रहा जो 'खराब' की श्रेणी में आता है।

भारतीय रेलवे में भर्ती एक सतत प्रक्रिया : अश्विनी

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि भारतीय रेलवे में भर्ती एक सतत प्रक्रिया है जिसमें परिचालनिक और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार योग्य उम्मीदवारों का चयन किया जाता है।

भारतीय जनता पार्टी के बृजमोहन अग्रवाल ने रेल मंत्री से भारतीय रेलवे, विशेषकर छत्तीसगढ़ में रिक्तियों की वर्तमान स्थिति की जानकारी मांगी। उन्होंने इन रिक्तियों को भरने की समय-सीमा और नए भर्ती कर्मियों की तकनीकी दक्षता बढ़ाने के लिए विशेष प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव पर जानकारी मांगी।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए रेलवे में रोजगार और उनके प्रशिक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। रेलवे भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और समयबद्धता आवश्यक है ताकि योग्य अभ्यर्थियों को उचित अवसर मिल सके। छत्तीसगढ़ में रेलवे भर्ती और प्रशिक्षण के लिए आवश्यक संसाधनों को सुदृढ़ करने की मांग करते हुए उन्होंने रेल मंत्रालय से विशेष ध्यान देने का आग्रह किया ताकि राज्य के युवाओं को रोजगार और प्रशिक्षण के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा सकें।

रेल मंत्री ने अपने जवाब में कहा कि कोविड-19 प्रतिबंधों में ढील देने के बाद रेलवे ने दो प्रमुख परीक्षाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें 2.37 करोड़ से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया और 1,30,581 अभ्यर्थियों की भर्ती की गयी। उन्होंने कहा कि केंद्र में कांग्रेस के 10 वर्ष के कार्यकाल (2004-2014) में 4.11 लाख भर्तियां हुई थीं, जबकि भाजपा के 10 वर्ष के शासनकाल (2014-2024) में 5.2 लाख भर्तियां हुई हैं।

यूजीसी के मसौदा नियम पर सुझाव आमंत्रित किये गये हैंः प्रधान

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मसौदा नियम सार्वजनिक कर दिया गया है और राज्य अपने सुझाव दे सकते हैं। श्री प्रधान ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान द्रविड मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के सदस्य तिरुची शिवा द्वारा पूछे गये सवाल के उत्तर में यह बात कही। श्री शिवा ने पूछा था कि क्या यूजीसी के मसौदा दिशा-निदेशों के संबंध में राज्यों के साथ कोई परामर्श किया गया है। श्री प्रधान ने कहा कि यूजीसी के पास सुधारवादी नियम बनाने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि मसौदा प्रस्ताव जनता के लिए उपलब्ध है और प्रत्येक राज्य के मुख्य सचिव और प्रधान सचिवों को इसकी जानकारी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि दस से अधिक राज्यों ने अपने सुझाव दिए हैं, साथ ही राज्य, केंद्रीय, निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों सहित 52 विश्वविद्यालयों ने भी अपने सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने व्यापक रूप से परामर्शी दृष्टिकोण अपनाया है और सुधारित मसौदा सार्वजनिक डोमेन में डाल दिया गया है और कोई भी इसके लिए सुझाव दे सकता है।

श्री प्रधान ने कुलपति के चयन से संबंधित प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि स्वतंत्रता के बाद से इस पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया है। हर बार जब राज्य न्यायालय गए हैं, तो उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि यूजीसी के सुझाव ही किसी भी मामले में मान्य होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र के बीच समन्वय है।

उन्होंने गैर-शैक्षणिक व्यक्ति को कुलपति नियुक्त किए जाने पर चिंता जताते हुए कहा कि वर्तमान परिवेश और प्रौद्योगिकी को देखते हुए, विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को शैक्षणिक संस्थानों का नेतृत्व करना चाहिए।

उत्तर प्रदेशः हापुड हीटवेव से बचने के तरीके के लिए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने जारी की एडवाइजरी

राहुल कुमार

उत्तर प्रदेशः हापुड़ जिला आपदा प्रबंधन विभाग हापुड़ ने गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है, जिसमें लू (ल्हींइ६५ी) से बचाव के उपाय, इसके लक्षण और उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। इस एडवाइजरी के माध्यम से लोगों को जागरूक करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है।

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), प्रभारी और नोडल अधिकारी आपदा संदीप कुमार ने जनता से अपील की है कि वे लू से बचाव के लिए बताए गए उपायों को गंभीरता से अपनाएं और अपनी तथा अपने परिवार की सुरक्षा करें। उन्होंने यह भी जोड़ा कि संबंधित विभागों को लू से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखने और आवश्यक एहतियाती कदम उठाने की जरूरत है।

संदीप कुमार ने बताया कि लू एक गंभीर प्राकृतिक आपदा हो सकती है, जिसके प्रभाव को कम करने के लिए सभी संबंधित विभागों को अपनी तैयारियों को मजबूत करना होगा। इसके लिए सुरक्षात्मक उपायों को अपनाना और लोगों को जागरूक करना बेहद जरूरी है। गर्मी के मौसम में तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, और आने वाले दिनों में यह और बढ़ने की संभावना है। इसलिए, विभागों को आपात स्थिति से निपटने के लिए पहले से ही योजना बनानी चाहिए ताकि जनता को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

जिला आपदा विशेषज्ञ गजेंद्र सिंह बघेल ने लू से बचाव के लिए कई व्यावहारिक और प्रभावी तरीके सुझाए हैं। उन्होंने कहा कि गर्म हवाओं से बचने के लिए घर की खिड़कियों को रिफ्लेक्टर सामग्री जैसे एल्यूमिनियम पन्नी या गत्ते से ढकना चाहिए। इससे बाहर की गर्मी को घर के अंदर आने से रोका जा सकता है। खास तौर पर दोपहर के समय, जब गर्म हवाएं तेज होती हैं, उन खिड़कियों और दरवाजों पर काले परदे लगाने की सलाह दी गई है, जहां से गर्मी का प्रवेश अधिक होता है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि लोग स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान पर नजर रखें। इसके लिए रेडियो, टेलीविजन या अन्य संसाधनों का उपयोग किया जा सकता है ताकि तापमान में होने वाले बदलावों के प्रति सजग रहा जा सके। आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लेना भी उपयोगी हो सकता है। गजेंद्र सिंह ने विशेष रूप से बच्चों और पालतू जानवरों की सुरक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन्हें कभी भी बंद वाहन में अकेला नहीं छोड़ना चाहिए, क्योंकि गर्मी के कारण वाहन के अंदर का तापमान तेजी से बढ़ सकता है, जो जानलेवा हो सकता है।

गजेंद्र सिंह ने लोगों से अपील की कि जहां तक संभव हो, वे घर के अंदर ही रहें और सूर्य की तेज गर्मी से बचें। घर की निचली मंजिल पर रहना बेहतर है, क्योंकि ऊपरी मंजिलों पर गर्मी का प्रभाव अधिक होता है। इसके अलावा, भोजन को लेकर भी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि संतुलित, हल्का और नियमित भोजन करना चाहिए। मादक पेय पदार्थों जैसे शराब या नशीले पदार्थों से पूरी तरह परहेज करना जरूरी है, क्योंकि ये शरीर को निर्जलित कर सकते हैं और लू का खतरा बढ़ा सकते हैं। घर से बाहर निकलते समय शरीर और सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढककर रखना चाहिए ताकि सूर्य की किरणों से सीधा संपर्क न हो।

उन्होंने आगे बताया कि धूप में खड़े वाहनों में बच्चों या पालतू जानवरों को छोड़ना खतरनाक हो सकता है। खाना बनाते समय घर में हवा का आवागमन बना रहे, इसके लिए खिड़कियां और दरवाजे खुले रखने चाहिए। उच्च प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ाना चाहिए, लेकिन बासी भोजन से पूरी तरह बचना जरूरी है। दोपहर के समय, जब सूरज अपने चरम पर होता है, घर से बाहर निकलने से बचें। यदि बहुत जरूरी हो तभी बाहर जाएं और सिर को ढककर रखें।

गर्मी से राहत पाने के लिए घर में कुछ पारंपरिक पेय पदार्थों का उपयोग करने की सलाह दी गई है। इनमें लस्सी, छाछ, मट्ठा, बेल का शरबत, नमक-चीनी का घोल, नींबू पानी और आम का पना शामिल हैं। ये पेय पदार्थ शरीर में पानी और नमक की कमी को पूरा करने में मदद करते हैं और लू से बचाव में सहायक होते हैं। गजेंद्र सिंह ने चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में गर्मी का प्रकोप और बढ़ेगा, इसलिए इन उपायों को अपनाना बेहद जरूरी है।

लू लगने की स्थिति तब उत्पन्न होती है, जब गर्मी के कारण शरीर के द्रव (बॉडी फ्लूइड) सूखने लगते हैं। शरीर में पानी और नमक की कमी होने पर लू का खतरा बढ़ जाता है। कुछ विशेष परिस्थितियों में यह जोखिम और भी अधिक हो जाता है। उदाहरण के लिए, शराब की लत, हृदय रोग, पुरानी बीमारियां, मोटापा, पार्किंसंस रोग, अधिक उम्र और अनियंत्रित मधुमेह से पीड़ित लोगों को लू से बचाव के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए। इसके अलावा, कुछ दवाओं का उपयोग करने वाले लोग, जैसे डायय़ूरेटिक्स, एंटीहिस्टामिनिक्स या मानसिक रोग की दवाएं लेने वाले, भी लू के प्रति संवेदनशील होते हैं।

लू के लक्षणों को पहचानना बहुत जरूरी है ताकि समय रहते उपचार शुरू किया जा सके। गजेंद्र सिंह ने बताया कि लू के प्रमुख लक्षणों में गर्म, लाल और शुष्क त्वचा, पसीना न आना, तेज नाड़ी (पल्स), सांस की गति में तेजी, व्यवहार में बदलाव, भ्रम की स्थिति, सिरदर्द, मिचली, थकान, कमजोरी, चक्कर आना और मूत्र की कमी या न होना शामिल हैं। इन लक्षणों के कारण शरीर का तापमान असामान्य रूप से बढ़ जाता है, जिससे आंतरिक अंगों, खास तौर पर मस्तिष्क को नुकसान पहुंच सकता है। इससे उच्च रक्तचाप की समस्या भी उत्पन्न हो सकती है, जो स्थिति को और गंभीर बना देती है।

बिहारः गंगा नदी में डूबने से तीन वर्षीय बालक की मौत

एमडी फिरोज आलम

बिहारः कटिहार जिले के अमदाबाद प्रखंड अंतर्गत किशनपुर के कन्हाई यादव के लगभग तीन वर्षीय पुत्र अभिषेक यादव की गंगा नदी में डूबकर मौत हो गई है। इस घटना को लेकर परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। वहीं, मृतक के पिता कन्हाई यादव ने बताया कि हम खेत में गेहूं की फसल काटने गए हुए थे। हो-हल्ला पर सूचना मिली कि मेरा बेटा गंगा नदी में डूब गया है।

घर पहुंचने पर पता चला कि मेरा छोटा बेटा अभिषेक अपने बड़े भाई के साथ खेलते-खेलते गंगा नदी की तरफ चला गया था, जहां पैर फिसलने से वह गहरे पानी में गिर गया। गहरे पानी में जाने के क्रम में उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों के सहयोग से शव को गंगा नदी से बाहर निकाला गया है। सूचना पाते ही अमदाबाद थाना के एएसआई अमित कश्यप और एएसआई शिव शंकर तिवारी घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कटिहार भेज दिया गया है।

उत्तर प्रदेशः वीडियोग्राफी के साथ कराया गया पोस्टमार्टम

इंद्रेश कुमार पांडे

उत्तर प्रदेशः सोनभद्र रावटसगंज 100 शय्या युक्त मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विग में प्रसूति महिला के बच्चों को जन्म देने के बाद खून चढ़ाते समय मौत हो गई। परिजनों ने मौत के लिए डॉक्टर और नर्सों की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। परिजनों का आरोप था कि मौत के बाद डॉक्टर पल्ला झाड़ने के लिए मरीज को रेफर कर रहे थे, जिससे परिजनों ने घंटों अस्पताल के बाहर हंगामा किया। मामला काफी पेचीदा बढ़ता देख सीएमओ ने डिप्टी सीएमओ को मौके पर परिजनों से वार्ता के लिए भेजा।

डिप्टी सीएम ने परिजनों से बातचीत की और कहा कि पोस्टमार्टम वीडियोग्राफी से कराया जाएगा और जांच के लिए एक टीम भी गठित की जाएगी। रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नवजात बच्चे को लेकर परिजन काफी परेशान हैं। दादी नवजात बच्चे का पालन-पोषण कर रही हैं। बहुत बड़ा सवाल यह है कि जहां कोविड में डॉक्टरों को भगवान का दर्जा दिया गया था, अब वही डॉक्टर इस कदर लापरवाह बन गए हैं कि नवजात बच्चों को उनकी मां से जुदा कर दिया। ऐसे में जरूरत है दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की ताकि आगे से इस तरह की कोई घटना न हो।

इस मामले में ग्राम बहेरा के प्रधान पति ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद 100 को गांव लाया गया, फिर उसे अंतिम संस्कार के लिए काशी ले जाया गया। अब देखने वाली बात है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा गठित टीम अपनी रिपोर्ट में कितना तथ्य क्या दर्शाती है।

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर, जहानपुर मंदिर के पास से शराब का ठेका हटाने के लिए महिलाओं ने डी.एम. को दिया ज्ञापन

राकेश कुमार शर्मा

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर नौरंगपुर गांव पोस्ट जहानपुर की महिलाओं ने बताया कि गोगामेड़ी के समीप एक शराब का ठेका सुबह 6:00 बजे से रात 10:00 बजे तक खोला जा रहा है। यह धार्मिक स्थान ठेके से मात्र 200 मीटर के पास है। धार्मिक स्थान होने के कारण यहां पर प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु पूजा-पाठ करने के लिए आते हैं, लेकिन शराब का ठेका होने के कारण माहौल काफी दूषित हो रहा है। शराबी लोग यहां पर शराब पीकर हंगामा करते हैं, जिससे महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

मंदिर में सुबह-शाम माताएं-बहनें पूजा करने के लिए जाती हैं, यहां पर शराबियों के कारण भय का माहौल बना रहता है। महिलाओं ने बताया कि शराबियों ने कई बार मूर्ति खंडित की है, जिससे गांव के लोग बहुत परेशान हो जाते हैं। इस मार्ग से आई.जी. इंटर कॉलेज में छात्राएं स्कूल आती-जाती हैं, जिनके साथ शराब पीकर यहां पर कई बार छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। गांव में प्रत्येक वर्ष शराब पीने के कारण बीमार होने से लोग मर जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त मंदिर के आसपास गंदगी और असामाजिक गतिविधियों में वृद्धि हो रही है, जिससे स्थानीय लोगों को भी असुविधा हो रही है। यह न केवल हमारी धार्मिक भावनाओं को आहत करता है, बल्कि समाज में गलत संदेश भी प्रसारित करता है।

महिलाओं ने कहा कि मंदिर के आसपास की पवित्रता बनाए रखने के लिए इस शराब के ठेके को जल्द से जल्द यहां से हटाने की मांग कर रही हैं। हम सभी महिलाएं 24 घंटे के बाद यहां पर धरना और आमरण अनशन करने के लिए बाध्य हो जाएंगी। अगर यह शराब का ठेका 24 घंटे के बाद यहां से नहीं हट जाता, तो हम सभी को यहां पर बैठना मजबूरी बन जाएगा। ज्ञापन देने के दौरान पूनम सैनी, अमित सरोज, सरिता रानी, मंजू सैनी, रचना रजनी, रचना सैनी, सविता, छवि, शिवानी, अनीता, डोली, मिथिलेश, विनीता, शकुंतला, रेनू, जूली, ओम, अंजू, सीमा, प्रेम, ओमवती, रामकली, फूलों, ममता, कविता, रेनू, पूजा, बंटी, प्रेमलता शामिल रहीं।

मध्य प्रदेशः उदयपुरा आदर्श महिमा पब्लिक स्कूल समर कोर्स की शुरूआत

विकास सियारिया

मध्य प्रदेशः उदयपुरा जिला रायसेन आदर्श महिमा पब्लिक स्कूल में समर कोर्स की शुरूआत बी आर सी श्री एम एल गोलियां और ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्री गौरव जी द्वारा की गई। यह हमारे लिए एक गर्व का समय है क्योंकि हम इस नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत एक नए जोश और नई ऊर्जा के साथ कर रहे हैं।

हमारा मुख्य उद्देश्य बच्चों के सर्वगुण विकास पर ध्यान देना है, इसलिए हमने इस समर कोर्स में फ्री क्लासेस का आयोजन किया है, जिसमें डांस क्लास, पब्लिक स्पीकिंग, योगा क्लास, आर्ट एंड क्राफ्ट जैसी गतिविधियां शामिल हैं। हमारा प्रयास है कि बच्चों को सीखने का एक नया, रोचक और रचनात्मक माहौल मिले, जिससे वे आत्मविश्वास से आगे बढ़ सकें। हम इस पहल के माध्यम से बच्चों के उज्जवल भविष्य की ओर एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहे हैं, और हमें उम्मीद है कि यह समर को सभी विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभदायक साबित होगा। आने वाले समय में बच्चों के भविष्य के लिए नए प्रोग्राम आयोजित करने का कार्य करेंगे।८

हरियाणाः डबवाली पुलिस ने नशा मुक्त समाज अभियान के तहत आमजन को नशे के दुष्परिणामों से कराया अवगत

बंसी लाल

हरियाणाः 'नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक सिद्धान्त जैन के मार्गदर्शन में थाना कालांवाली व थाना औढ़ा पुलिस टीम ने जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को नशे के दुष्प्रभाव एवं बचाव के बारे में जागरूक किया। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला पुलिस के सभी थाना एवं चौकी स्तर पर पुलिस टीमें आमजन को नशे के दुष्प्रभाव एवं बचाव के बारे में जागरूक कर रही हैं। जिला पुलिस के अधिकारी गांव के प्रतिनिधियों और मौजिज व्यक्तियों के साथ लगातार संपर्क साध रहे हैं और उनके साथ बैठक कर गांव को नशामुक्त बनाने को लेकर विचार-विमर्श करके प्लान तैयार किया जा रहा है। इसी कड़ी में

ढरक सतपाल थाना कालांवाली ने मंडी कालांवाली व थाना औढ़ा ने जलालआना में आमजन को नशे से बचने और नशे को जड़ से खत्म करने के लिए पुलिस प्रशासन का सहयोग करने हेतु जागरूक किया।

ढरक सतपाल ने बताया कि जिला पुलिस आमजन को नशे के विरुद्ध जागरूक करने के लिए जागरूकता कैंप लगा रही है, जिसमें आमजन को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी प्रदान कर-के जागरूक किया जा रहा है। शराब, अफीम, गांजा आदि नशीली दवाओं का सेवन हमारे जीवन के लिए बहुत हानिकारक हो सकता है। नशे के दुष्प्रभाव का सीधा असर हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। इन दवाओं का अधिक सेवन करने से शरीर के विभिन्न अंगों और दिमाग पर भी बुरा असर पड़ता है।

नशा एक समस्या है जो समाज में व्याप्त हो रही है और इसके दुष्प्रभाव व्यक्ति, परिवार और समाज को प्रभावित करते हैं। नशीली दवाओं का सेवन स्वास्थ्य, व्यक्तित्व, शिक्षा, संबंध और आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। नशा एक समस्या है जिसका समाधान हेतु शिक्षा, उच्चतम स्तर की जागरूकता और सभी समुदाय के सहयोग की जरूरत होती है।

नशे के दुष्प्रभाव से बचने के लिए हमें अपनी जिम्मेदारियों को समझना और स्वस्थ जीवन शैली अपनाना चाहिए। नशे के दुष्प्रभाव को रोकने के लिए समाज को सहयोग करना चाहिए और नशीली दवाओं के विरुद्ध जागरूकता फैलानी चाहिए। जिला पुलिस की आमजन से अपील है कि नशा से दूर रहें और यदि आपके आसपास कोई व्यक्ति नशा बेचने का काम करता है, तो तुरंत इसकी सूचना अपने नजदीकी थाना में देकर समाज को नशा मुक्त करने में पुलिस का सहयोग करें। पुलिस को सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी। जिला पुलिस सदैव आपकी सहायता के लिए तत्पर है।

एक नजर

उत्तर प्रदेशः सड़क निर्माण में मानक की अनदेखी का आरोप, लोगों ने किया प्रदर्शन

जुगेश कुमार/उत्तर प्रदेशः सोनभद्र स्थानीय विकास खंड के अंतर्गत चेरवाडीह से करईल पंचायत भवन तक लगभग 2.5 किलोमीटर सड़क का पिचिंग का कार्य चल रहा है। जिसमें ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क की साफ-सफाई नहीं की जा रही है और न ही मानक के अनुसार तारकोल का प्रयोग किया जा रहा है। जिससे क्षुब्ध होकर ग्रामीणों ने ऋतिक की अगुवाई में निर्माणदायी विभाग के खिलाफ करईल में जोरदार प्रदर्शन कर जांच की मांग करते हुए संबंधित ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेड करते हुए गुणवत्तापरक कार्य कराने की मांग की है।

प्रदर्शन करने वालों में मुख्य रूप से भूपेंद्र, आदित्य, राजकुमार, मेघनाथ, लल्लन, अभिषेक आदि ग्रामीण उपस्थित रहे। वहीं भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष सुनील जायसवाल ने कहा कि सड़क का निर्माण मानक के अनुरूप गुणवत्तापरक होनी चाहिए, किसी भी दशा में मानक की अनदेखी बर्दाश्त नहीं होगी। इस बावत पीडब्ल्यूडी के जे.ई. से संपर्क किया गया तो उन्होंने मौके पर जाकर देखने और शिकायतकताओं की उपस्थिति में मानक के अनुरूप निर्माण कार्य कराने का आश्वासन दिया।

उत्तर प्रदेशः पूर्व जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की खूबियां बटोर रही तारीफ

इंद्रेश कुमार पांडे/उत्तर प्रदेशः भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष डॉक्टर धर्मवीर तिवारी के नेतृत्व में आज नगर पालिका के वार्डों में घर-घर संपर्क अभियान चलाया गया। पूर्व जिला अध्यक्ष डॉक्टर धर्मवीर तिवारी ने कहा कि प्रदेश के लिए योगी आदित्यनाथ से उपयोगी कोई 18 वर्षों में प्रदेश के गरीबों को योजनाओं के माध्यम से संतुष्ट करने का काम किया और गुंडे और माफियाओं के खिलाफ जबरदस्त कार्रवाई की। आम जनता में सरकार के प्रति विश्वास पैदा किया और यह एहसास कराया कि यह सरकार गरीबों और महिलाओं की, आम जनता की सरकार है। इसमें भ्रष्टाचारियों की कोई जगह नहीं। इस अभियान में सभासद विनोद सोनी, भूत अध्यक्ष शशिकांत पांडे, उत्कर्ष पांडे, अवनीश शुक्ला, अशोक भारती, नर्मदा देवी, रवि आदि लोग मौजूद रहे।

हरियाणाः रेलवे स्टाफ के कर्मचारी ने दिया ईमानदारी का परिचय

महिपाल सिंह/हरियाणाः कालालाली रेलवे स्टाफ के कर्मचारी दशरथ ने दिया ईमानदारी का परिचय। आज दिनांक 3/4/2025 को गाड़ी संख्या 14729, जो रेवाड़ी से बठिंडा जा रही थी, में भिवानी से एक लड़की, जिसका नाम गुरलीन कौर था, सवार थीं, जो स्पोर्ट्स में थीं। उसके पास एक सामान से भरा हुआ बैग था। जब गाड़ी सिरसा रेलवे स्टेशन पर पहुंची, तो वह लड़की पानी पीने के लिए स्टेशन पर उतरीं, तो पीछे से गाड़ी चल पड़ी और उसका बैग उसी गाड़ी में रह गया। लड़की गुरलीन कौर घबरा गई। उसने अपने सामान की सूचना तुरंत सिरसा के रेलवे स्टेशन मास्टर को दी। उन्होंने उसी वक्त कालावाली स्टेशन मास्टर को फोन किया। वहां पर अपनी ड्यूटी पर तैनात रेलवे कर्मचारी दशरथ ने फोन सुना और सारी बातें बताई। दशरथ ने तुरंत गाड़ी के स्टेशन पर पहुंचते ही गाड़ी को चेक किया, तो बैग वहीं पर था। उन्होंने बैग अपने कब्जे में लिया। उसमें जरूरी दस्तावेज, पैन कार्ड, लैपटॉप, पैसे, मोबाइल और कुछ स्पोर्ट्स का सामान था। लड़की गुरलीन कौर को बैग वापस लौटाया और इंसानियत की मिसाल कायम की। लड़की गुरलीन कौर ने कालावाली रेलवे स्टाफ का धन्यवाद किया।

हरियाणाः कालांवाली हल्का से भाजपा प्रतिनिधि के प्रयासों से मंडी के आढ़ती भाइयों को मिली बड़ी राहत

रितेश/हरियाणाः कालांवाली आज मंडी के आढ़ती भाइयों का एक प्रतिनिधिमंडल आढ़ती एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष प्रदीप जैन और आढ़ती एसोसिएशन कालावाली के प्रधान गिरधारी लाल की अध्यक्षता में महेश कुमार आजाद की दुकान पर अपनी कुछ समस्याओं को लेकर कालांवाली हल्का से भाजपा प्रतिनिधि भाई राजिंद्र सिंह देसुजोधा से मिला। मुख्य मांग सरसों को पुरानी अनाज मंडी में आढ़तियों के मार्फत बिकवाने के बारे में थी, जिस पर देसुजोधा ने तुरंत एक्शन लेते हुए संबंधित अधिकारियों से मीटिंग कर सोमवार से सरसों खरीद कार्य को पुरानी अनाज मंडी में आढ़ती भाइयों की मार्फत बिकवाना सुनिश्चित करवाया।

उत्तर प्रदेश: हापुड़ आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हुआ योग शिविर का आयोजन

राहुल कुमार

उत्तर प्रदेश: हापुड़ आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में क्रीड़ा विभाग, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, तथा सुश्री सुभद्रा कुमारी चौहान कल्चरल क्लब के संयुक्त तत्वावधान में योग शिविर (८ड्ढ्ढ ३स्त्र२)/ कार्यशाला का आयोजन किया गया। योग प्राचीन भारतीय ऋषि मुनियों एवं तत्ववेत्ताओं द्वारा प्रतिपादित एक विशिष्ट आध्यात्मिक प्रक्रिया है। ऋषि पतंजलि ने चित्त की वृत्तियों के निरोध को योग कहा है, जबकि व्यास ने समाधि को ही योग माना है। योग वाशिष्ठ के अनुसार योग वह युक्ति है जिसके द्वारा संसार से मोक्ष प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ

क्रीड़ा विभाग की अध्यक्षा एवं कार्यक्रम की संचालिका प्रोफेसर सरोजिनी ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सर्वप्रथम मुख्य योगाचार्य डॉ. सुधाराणा (पूर्वी दिल्ली पतंजलि योगपीठ की पूर्व महिला प्रभारी, भारत स्वाभिमान की अध्यक्षा, पतंजलि की संस्थापक सदस्या, गीता परिवार में शिक्षिका), आशा सोमानी (पतंजलि योगपीठ हापुड़ की जिला प्रभारी), ईश्वर कुमारी सिसोदिया (पतंजलि योगपीठ हापुड़ शाखा की उपाध्यक्ष एवं क्रीड़ा भारती योगाचार्य), महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर साधना तोमर एवं प्राध्यापिकाओं को वाग देवी की आराधना हेतु आमंत्रित किया। संगीत विभाग की अध्यक्षा प्रोफेसर जया शर्मा ने दीप गान को स्वर दिया। तत्पश्चात प्राचार्या ने अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

सर्वप्रथम सुश्री ईश्वर कुमारी सिसोदिया ने योगासन के विषय में अपना वक्तव्य देते हुए सहज सरल आसनों की प्रस्तुति दी। योगाचार्य आशा सोमानी ने प्राणायाम एवं योग के फायदे को बताते हुए प्रस्तुति दी तथा सभी को नियमित आसन एवं प्राणायाम करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अपने अनुभव को भी उपस्थित शिक्षिकाओं से साझा किया तथा उनके प्रश्नों का उत्तर दिया और शंकाओं का समाधान भी किया। शिक्षिकाओं ने आसनों का अनुसरण किया।

मुख्य योगाचार्य सुधा राणा ने ॐ की ध्वनि के साथ अपना वक्तव्य प्रारंभ किया। अपने वक्तव्य में उन्होंने यम, नियम, आसन, समाधि की विस्तारपूर्वक चर्चा की। उनका मानना है कि योग साधनाओं द्वारा मन को नियंत्रित, संयमित तथा आत्मा का परमात्मा से मिलन संभव है। शांति, सुख तथा आनंद की अनुभूति है योग। अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह, इंद्रियों पर नियंत्रण योग से ही संभव है। कपालभाति, अनुलोम-विलोम तथा सूर्य नमस्कार की प्रस्तुति देते हुए इसके तमाम फायदों को भी रेखांकित किया। शीर्षासन की मुद्रा का अत्यंत सहजता के साथ उन्होंने प्रदर्शन किया। अनेक बीमारियों से जुड़ी योग मुद्राओं की प्रस्तुति दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि योग हमें प्रसन्नता देती है और प्रसन्नता ही जीवन का मूल मंत्र है।

प्राध्यापिकाओं के पश्चात तीनों योगाचार्यों ने महाविद्यालय की छात्राओं को भी योग के गुर सिखाए तथा प्रतिदिन योग करने के लिए प्रेरित किया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर साधना तोमर ने अपने संबोधन में ह्ययोग भगाए रोगह्ल को रेखांकित करते हुए सभी को योग निद्रा के लिए प्रेरित किया तथा साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि 15 मिनट का यह आसन 5 घंटे की नींद पूरी कर देता है। योग निद्रा की प्रस्तुति भी उन्होंने दी। योगाचार्यों का उन्होंने हृदय से धन्यवाद व्यक्त किया तथा उन्हें पुनः आने के लिए आमंत्रित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राध्यापिकाएं तथा छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की समाप्ति पर संचालिका प्रोफेसर सरोजिनी ने योग की उपयोगिता पर अपने विचार रखते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

उत्तर प्रदेश: बलिया रेवती थाना पुलिस ने दो गौ तस्करों को किया गिरफ्तार

अरुण कुमार पटेल

उत्तर प्रदेश: बलिया पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के बीच चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी कृपा शंकर के निकट पर्यवेक्षण में और क्षेत्राधिकारी बैरिया मो. फहीम कुरैशी के कुशल नेतृत्व में थाना रेवती पुलिस टीम ने एक पिकअप में चार गोवंश सहित दो गौ तस्करों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

बलिया पुलिस द्वारा जारी बयान के अनुसार आज (01.04.2025) को थाना रेवती पुलिस टीम के उपनिरीक्षक आशुतोष मद्धेशिया, हमराहियों हे.का. श्रीप्रकाश सिंह और का. अंकित पाण्डेय के साथ चेकिंग के दौरान गो तस्करी करने वाले दो गौ तस्करों अरुण यादव पुत्र दिनेश यादव निवासी चांद दियर यादव नगर थाना बैरिया जनपद बलिया (उम्र करीब 20 वर्ष) और श्याम नरायण यादव पुत्र स्व. गरजू यादव निवासी परसिया थाना रसड़ा जनपद बलिया (उम्र 55 वर्ष) को एक पिकअप (वढ60 इळ 9640) के साथ तीन गाय और एक बछड़ा बरामद करते हुए कोलनाला रेलवे फाटक के पास से गिरफ्तार किया गया और आगे की विधिक कार्रवाई की गई।

थाना रेवती द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ धारा 3/5ए/8 गौ हत्या निवारण अधिनियम और 11 पशु क्रूरता निवारण अधिनियम में मुकदमा पंजीकृत कर माननीय न्यायालय भेज दिया गया।

उत्तर प्रदेश: बलिया थाना उभांव पुलिस ने एक पशु तस्कर को किया गिरफ्तार

अरुण कुमार पटेल

उत्तर प्रदेश: थाना उभांव जनपद बलिया पुलिस द्वारा 01 नफर पशु तस्कर / वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया, कब्जे से 01 अदद तमंचा व 01 अदद जिन्दा कारतूश बरामद हुआ।

श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय बलिया श्री ओमवीर सिंह के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में श्रीमान् अपर पुलिस अधीक्षक महोदय श्री अनिल कुमार झा के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी रसड़ा श्री आशीष मिश्र व प्रभारी निरीक्षक श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना उभांव पुलिस टीम को सफलता मिली।

उल्लेखनीय है कि आज दिनांक 02.04.2025 को थाना उभांव पुलिस टीम के उ0नि0 श्री सुमित कुमार मय टीम द्वारा चेकिंग संदिग्ध वाहन / संदिग्ध व्यक्ति, तलाश वांछित वारण्टी करते हुए तुतीर्पार पिकेट पर मौजूद थे। पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर मु0अ0स0 65/2025 धारा 3/5ए/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम से संबंधित वांछित अभियुक्त तैयब खान पुत्र टुनटुन खान निवासी बसारिखपुर थाना सिकन्दरपुर जनपद बलिया को तुतीर्पार नहर रेगुलेटर के पास से समय 04.00 बजे गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से एक अदद तमंचा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूश 315 बोर बरामद हुआ। थाना स्थानीय द्वारा विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्त को मा0 न्यायालय बलिया भेजा गया।

उत्तराखंड: गांवों के नाम बदलने पर ऐतिहासिक फैसले पर मुख्यमंत्री धामी का भव्य स्वागत करेंगे : स्वामी यतीश्वरानंद

हरीश उपाध्याय

उत्तराखंड: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की गांवों के नाम बदलने की प्रक्रिया पर गाजीवाली, चांदपुर के साथ खानुपर ब्लॉक के ग्राम प्रधानों ने पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद के साथ प्रदेश सरकार का आभार जताया। स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि मुख्यमंत्री के इस ऐतिहासिक निर्णय पर उनका भव्य स्वागत किया जाएगा।

भगवानपुर ब्लॉक के ग्राम औरंगजेबपुर का नाम अब शिवाजी नगर, बहादराबाद ब्लॉक के दो गांवों के नाम बदले हैं, जिनमें गाजीवाली का नाम आर्यनगर और चांदपुर का नाम ज्योतिबा फुले नगर किया गया है।

नारसन ब्लॉक के दो गांवों में मोहम्मद पुर जट्ट का नाम मोहनपुर जट्ट और खानपुर कुर्सली का नाम अम्बेडकर नगर रखा गया है। खानपुर ब्लॉक के भी दो गांवों के नाम बदले हैं, जिनमें खानपुर का नाम श्री कृष्णपुर और इदरीशपुर का नाम नंदपुर कर दिया गया है। रुड़की ब्लॉक में केवल एक गांव का नाम बदला है, जिसे अकबरपुर फाजलपुर से बदलकर अब विजय नगर का नाम दिया गया है। रुड़की नगर निगम आसफनगर को देव नारायण नगर और सलेमपुर राजपुताननगर का नाम शूरसैन नगर किया गया है। इनके नाम बदलने पर पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि उत्तराखंड के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली उत्तराखंड सरकार ने उन ग्रामों के नाम बदलने का कार्य शुरू किया है जो हमारे देश की सभ्यता और संस्कृति के अनुरूप नहीं हैं।

उदाहरण के तौर पर, गाजीवाली का नाम बदलकर आर्यनगर किया गया है। मां गंगा के तट पर स्थित यह ग्राम स्वामी श्रद्धानंद द्वारा स्थापित प्राचीन गुरुकुल कांगड़ी के निकट है और कांगड़ी ग्राम के साथ यह ग्राम भी स्वामीजी की कर्मभूमि रहा है। इसी प्रकार ग्राम चांदपुर का नाम बदलकर ज्योतिबाफुले नगर किया गया है, जो महात्मा ज्योतिबा फुले जी के समाज सुधार की संघर्षगाथा को एक श्रद्धांजलि है। उन्होंने इस ऐतिहासिक कार्य के लिए मुख्यमंत्री का हृदय की गहराइयों से धन्यवाद किया है।

इस मौके पर तुगलपुर ग्राम प्रधान श्यामपाल, सोहनवीर सैनी, खानपुर प्रधान चौधरी अरविंद, बबली प्रधान, कान्हावाली राजू वर्मा, पौडावाली शशी चौधरी, चंद्रपुरी के प्रधान हरीश चौधरी, सुरेंद्र प्रधान, सुखदेव प्रधान, प्रधान महक सिंह जोगावाला, संदीप प्रधान भारूवाला, भीम सिंह गोवर्धनपुर, सिंकदरपुर के कृष्ण प्रधान, चंद्रपुरी खादर अमरपाल प्रधान, वहीं दूसरी ओर गाजीवाला में ग्राम प्रधान अनिल कुमार, नकली राम, संदीप कुमार, अश्वनी कश्यप, सुमित प्रधान, नवीन कुमार, टिंकू पाल, वैभव, अब्दुल सलाम, मोहसिन अली, पलटू राम, आकाश सैनी, अक्षत सैनी, गुरमीत सैनी, दीपक सैनी आदि शामिल हुए।

मध्य प्रदेश: पैक्स कम्प्युटराईजेशन कार्य में लापरवाही बरतने पर समिति प्रबंधक संजय नागर निलंबित

साबिर मोहम्मद मंसूरी

मध्य प्रदेश: झाबुआ भारत शासन की अति महत्वपूर्ण योजना पैक्स कम्प्युटराईजेशन के अंतर्गत सहकारी समिति मेघनगर के तत्कालीन समिति प्रबंधक श्री संजय नागर द्वारा कार्य में लापरवाही बरतने से संस्था को राशि रू. 8,12,52,585.30 की गंभीर आर्थिक हानि होने पर श्री नागर को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

पैक्स कम्प्युटराईजेशन योजनान्तर्गत संस्थाओं के 31 मार्च 2023 के सदस्यवार आंकड़ों एवं ऑडिटेड बैलेंसशीट के मदवार आंकड़ों में अंतर संज्ञान में आने से संस्था मेघनगर का परीक्षण सीए से कराए जाने पर लेखांकन पद्धति में विसंगतियों के कारण काफी बड़े अंतर प्रदर्शित होने के कारण बैंक द्वारा संस्था मेघनगर के साथ अन्य संस्थाओं के अंतर की जांच संभाग स्तरीय दल से करवाए जाने हेतु संयुक्त आयुक्त सहकारिता इंदौर से अनुरोध किया गया।

कार्यालय संयुक्त आयुक्त सहकारिता इंदौर संभाग इंदौर द्वारा गठित दल द्वारा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. झाबुआ से संबंधित बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं में पैक्स कम्प्युटराईजेशन योजनान्तर्गत सभी खातों का अंतर शून्य किए जाने संबंधी परीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार सहकारी समिति मेघनगर में वर्ष 2022-23 में लाभ-हानि पत्रक अनुसार 8,12,52,585.30 की हानि बताई गई, जिसके लिए तत्कालीन समिति प्रबंधक श्री संजय नागर को जिम्मेदार बताने पर बैंक द्वारा निलंबन की कार्यवाही की गई है।

राजस्थान: मंडार के ग्राम पंचायत मगरीवाड़ा में हुआ बाण माता मंदिर परिसर में गोशाला का निर्माण

अंकित कुमार सुथार

राजस्थान: मंडार क्षेत्र के ग्राम पंचायत मगरीवाड़ा के बाण माता मंदिर परिसर के आसपास खाली पड़ी भूमि पर गौ सेवा समिति द्वारा गोशाला का निर्माण कार्य किया गया है। इस कारण मगरीवाड़ा के आसपास बेसहारा घूमने वाले गोवंश के लिए यह गोशाला वरदान साबित होगी।

गांव के लोगों ने बताया कि गौ सेवा समिति द्वारा इस गोशाला के शुभारंभ को लेकर धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 11 अप्रैल को सुबह 7:30 पर बाण माता मंदिर परिसर में महाआरती का आयोजन होगा। 10:30 बजे समस्त गोवंश का प्रवेश होगा। सफल बनाने के लिए दिन-रात गांव के गौ सेवक लगे हुए हैं।

रात्रि में गोशाला परिसर में भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें भजन कलाकार छोटूसिंह रावणा मुख्य कलाकार होंगे। गोशाला सेवा समिति द्वारा दिन-रात गुरुदेव के निर्देश पर इस आयोजन को सफल बनाने के लिए जुटे हुए हैं।

गोशाला परिसर में टीन शेड का निर्माण; मगरीवाड़ा में बाण माता मंदिर परिसर के आसपास बनी गोशाला में गोवंश के लिए अनेक टीन शेड का निर्माण करने के साथ पेयजल की बेहतरीन व्यवस्था की है। साथ ही चारा गोदाम सहित हॉल का भी निर्माण किया गया है। इस गोशाला में मगरीवाड़ा, वरमाण, मालपुरा, नवापुरा, धनपुरा, गोलुआ, प्रजावल व जामठा आदि गांवों का सहयोग रहा।

हरियाणा: यातायात पुलिस के सब इंस्पेक्टर के पदोन्नत पर पुलिस अधीक्षक ने स्टार लगाकर दी बधाई

महिपाल सिंह

हरियाणा: कंधों पर स्टार लगने के साथ ही जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है, इसलिए पदोन्नत होने वाले पुलिस कर्मचारी और अधिक मेहनत और लगन से अपना कार्य करें और जहां भी ड्यूटी लगे, वहां अपनी बेहतरीन उपस्थिति दर्ज कराकर विभाग की छवि के लिए कार्य करें।

उक्त विचार पुलिस अधीक्षक सिद्धान्त जैन आईपीएस ने जिला पुलिस डबवाली के कार्यालय में प्रभारी यातायात पुलिस डबवाली उप निरीक्षक राजकुमार के सब इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नत होने के बाद उनके कंधों पर स्टार लगाने के उपरांत व्यक्त किए। पुलिस अधीक्षक महोदय ने कहा कि पुलिस की नौकरी सेवा, त्याग और समर्पण का भाव है, और अक्सर पुलिस कर्मियों को अपने घर से दूर रहकर समाज सेवा के लिए समर्पित रहना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि पुलिस के पास फरियाद लेकर आने वाले पीड़ित व्यक्ति की समस्या को गंभीरता से सुनकर उसे जल्दी से जल्दी न्याय दिलाने का प्रयास करें ताकि पीड़ित व्यक्ति अपने आप को सुरक्षित महसूस करें तथा समाज में पुलिस की एक बेहतर छवि नजर आए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आम आदमी के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार कर उनका सहयोग लें तथा गैर कानूनी धंधा करने वालों के साथ सख्ती से निपटा जाए। इस अवसर पर पदोन्नत हुए रक राजकुमार ने मिठाई बांटकर अपनी खुशी जाहिर की।

मध्य प्रदेश: 4 वर्ष बाद भ्रष्टाचार का जिन्न निकला बाहर

साबिर मोहम्मद मंसूरी

मध्य प्रदेश: इस भ्रष्टाचार को रोकने के लिए 4 साल तक कोशिश करते रहे, लगभग 3 साल इस फाइल पर कुंडली मार कर बैठे रहे। आखिर देर हुई, लेकिन न्याय हो गया है। आज ललित मोहन बेलवाल सहित तीन लोगों के खिलाफ FIR कर ली गई है। यह पूरा मामला क्या है?

मध्य प्रदेश में आजीविका मिशन के नाम से करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार हुआ है। कोई कहता है कि यह सैकड़ों करोड़ों का घोटाला है। लंबे समय तक सदस्य रहे मध्य प्रदेश के IFS ऑफिसर ललित बेलवाल के खिलाफ FIR दर्ज हुई है। इसके अलावा मध्य प्रदेश परियोजना की सुषमा रानी शुक्ला के खिलाफ भी FIR हुई है और एडिशनल CEO विकास अवस्थी के खिलाफ भी FIR हुई है। इसमें धाराएं लगाई गई हैं 420, 468, 471, 120B एवं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7C के तहत उन्होंने कल FIR दर्ज कर ली है।

इसका पूरा प्रेस नोट एडह ने विस्तार से जारी किया है। मध्य प्रदेश में महिलाओं के स्वयं सहायता समूह बनाकर उन्हें मदद के नाम पर जो सहायता दी जा रही थी, जो आजीविका मिशन के द्वारा किया जाना था, उसे लेकर पिछले लंबे समय से ललित बेलवाल एक नहीं, कई बार भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए हैं। विपक्ष से लेकर RTI कार्यकर्ताओं ने भी तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को अवगत कराया, परंतु इस भ्रष्टाचार के खिलाफ मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार ने जांच नहीं कराई। यह जांच किसी क्र्र अधिकारी नेहा मालवीय नाम की अधिकारी ने की और उन्होंने अपनी जांच रिपोर्ट, जो कि 65 पेज की थी, वह रिपोर्ट की कॉपी सरकार को भी सौंपी थी। इसमें क्र्र अधिकारी नेहा मालवीय ने साफ-साफ कहा था कि आजीविका मिशन की अधिकारी सुषमा रानी शुक्ला की नियुक्ति फर्जी दस्तावेजों पर हुई है, गलत नियमों से हुई है।

नियमों को तात्पर्य है और इन सब ने मिलकर काफी लंबा चौड़ा भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने कहा था कि इन सबके खिलाफ FIR दर्ज की जानी चाहिए। यह जो रिपोर्ट है, यह 8 जून 2022 की रिपोर्ट है और इस रिपोर्ट के आने के बाद इकबाल सिंह बेस काफी नाराज हुए थे। जांच अधिकारी IFS नेहा मालवीय को ऑन ड्यूटी काफी प्रताड़ित भी किया गया और वल्लभ भवन में लूप लाइन में 4 वर्ष IFS नेहा मालवीय को बिताना पड़ा। खैर, अभी प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नेहा मालवीय को ईमानदारी का ईनाम देकर मध्य प्रदेश के किसी जिले में कलेक्टर बनाया है। शिवराज सरकार में प्रदेश में यदि प्रधानमंत्री आ रहे हैं, तो सुषमा रानी शुक्ला सामने रहेंगी। इस तरह से उन्हें सिर पर बिठाकर रखा था। डॉक्टर मोहन यादव के साफ-साफ निर्देश हैं कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस है। उन्होंने साफ-साफ कह दिया है कि यदि जांच में किसी भी अधिकारी के खिलाफ सबूत आते हैं, दस्तावेज यदि आते हैं, तो यह जांच जहां तक जाती है, वहां तक जाने दीजिए।

तत्कालीन सरकार में पदस्थ किसी भी अधिकारी के खिलाफ भी यह FIR में नाम आ सकता है। यदि दस्तावेज होंगे, इसकी जांच भी एडह कर रही है। लेकिन यह सबको पता है कि इस जांच को दबाने वाला कोई दूसरा अधिकारी नहीं था, तत्कालीन मुख्य सचिव इकबाल सिंह बेस ही थे, जो इस पूरी टीम को संरक्षण देने का काम किया करते थे। कि इकबाल सिंह बेस के संरक्षण के बगैर यह भ्रष्टाचार संभव नहीं था। अब यह अभी फिलहाल जो भ्रष्टाचार की जांच सामने आई है, इसमें इन्होंने मनमानी तरीके से नियुक्तियों के तरीके बना लिए थे। गलत तरीकों से नियुक्तियां की गई थीं, न तो राज्य सरकार से अप्रूवल लिया था, उसके बाद गलत तरीके से प्रमोशन भी कर दिया। तरीके से उन्होंने सैलरी बना दी। यह सारी चीज ऋक्क्रमें लिखी हुई है और इस तरह से नियमों को धज्जियां उड़ाई गई हैं।

जिस तरह से भ्रष्टाचार किया गया है, आप सुनिए कि यह पूरा पेज जो है, दूसरा नंबर का जो प्रश्न कोड है, कि सुषमा रानी शुक्ला की नियुक्ति किन-किन गलत तरीकों से की गई है।

सम्पादकीय

संघ के संस्कारों का सवाल

यह आरएसएस का शताब्दी-वर्ष है। करीब 24 साल बाद भारत के प्रधानमंत्री संघ मुख्यालय गए। पहले वर्ष 2000 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी संघ मुख्यालय गए थे। अब मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी नागपुर मुख्यालय गए। भाजपा के दोनों ही प्रधानमंत्री आरएसएस प्रचारक थे, उनकी राजनीतिक-सामाजिक-वैचारिक जड़ें संघ से ही जुड़ी थीं, लिहाजा संघ की शरण में जाना स्वाभाविक है। ऐसी व्याख्याएं गलत और भ्रामक हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को कोई चुनौती है या भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर कोई विरोधाभास हैं अथवा संघ भाजपा से कुछ मुद्दों पर नाराज है, लिहाजा संबंधों में तनाव है। भाजपा संघ का ही एक मातृ संगठन है, लिहाजा निर्देश और संस्कार संघवाले ही हैं। उन्हें चुनौती नहीं दी जा सकती या उनका विरोध करने का दुस्साहस संभव नहीं है। संघ और भाजपा के संबंध एक विराट परिवार सरीखे हैं। वे आपस में विमर्श करते हैं और फिर एक साझा निष्कर्ष पर पहुंचते हैं। करीब 90 फीसदी नेता और कार्यकर्ता आरएसएस की पृष्ठभूमि के होते हैं, जो बाद में भाजपा के लिए काम करते हैं। आरएसएस में करीब 60 लाख स्वयंसेवक हैं। उन्हीं में से प्रचारक बनते हैं। जिन्हें भाजपा में भेजा जाता है, वहां वे सांसद, मंत्री और फिर प्रधानमंत्री बन सकते हैं। 1951 में जब 'जनसंघ' का गठन किया गया था, तब पार्टी प्रमुख डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अटल बिहारी वाजपेयी, सुंदर सिंह भंडारी, दीन दयाल उपाध्याय सरीखे चेहरों को आरएसएस से ही मांगा था। दरअसल आज हम संघ के स्तुतिगान के पक्ष में नहीं हैं और न ही इतिहास बताना चाहते हैं। कुछ संवेदनशील और राष्ट्रीय चेतना के स्तर के मुद्दे हैं, जो संघ के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, बंधुत्व, हिंदुत्व, एकता-अखंडता, सेवा-संस्कार और सामाजिकता के बिल्कुल विलोम हैं।

एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में संघ को महान, अक्षय और आधुनिक 'वटवृक्ष' माना है, लेकिन दूसरी तरफ झारखंड के हजारीबाग में भाजपा सांसद मनीष जायसवाल ने सरेआम तलवारें, लाठियां और डंडे कार्यकताओं और समर्थकों में बांटे हैं। दरअसल बहुसंख्यक सांप्रदायिकता बेहद खतरनाक और हिंसक होती है, लिहाजा सांसद का यह कारनामा अक्षम्य है। दलील दी गई कि ये 'राम नवमी' त्योहार के उपलक्ष्य में बांटे गए हैं। प्रभु श्रीराम के नाम पर किसी पर्व या समारोह के लिए 'हथियार' कब बांटे गए हैं? क्या सनातन की भी ऐसी कोई परंपरा है? एक संकेत मिलता है कि भाजपा सांसद ने 'राम नवमी' की शोभा-यात्रा के दौरान किसी संभावित उपद्रव या हमले के मद्देनजर अपनी फौज तैयार की है। हजारीबाग में ही 'मंगला जुलूस' पर पथराव किया गया था। ऐसे पथराव बंगाल, बेंगलुरु, कानपुर, अलीगढ़ आदि शहरों में भी होते रहे हैं। क्या देश भर में भाजपा की ऐसी फौज तैयार और तैनात की जा सकती है? क्या आरएसएस के बुनियादी संस्कार और विचार यही हैं? सरेआम तलवारें बांटी गईं और नेतृत्व बिल्कुल खामोश है। क्या उसी की खामोश सहमति रही है? अब यह नाजुक दौर है, जब संघ और भाजपा नेतृत्व को देश के सामने साफ करना चाहिए कि क्या उनका विचार और संस्कार हिंदू बनाम मुसलमान का ही है?

गुजरात हादसा : कब तक जिन्दा दफन होते रहेंगे बेकसूर मजदूर

-राम पुनियानी-

देश के कारखानों में मजदूर मर रहे हैं, इमारतों के नीचे दबकर मजदूर काल का ग्रास बन रहे है। हादसों को देखकर रौगंटे खडे.हो जाते हैं देश के राज्यों में चल रहे ईटों के भठठों में मजदूर मारे जा रहे हैं। मजदूरों के पसीने से ही ईटें पकती हैं मगर भठठा मालिक मजदूरों का शोषण कर रहे हैं मजदूर खून-पसीना बहाकर काम करते है। मगर बदले में मेहनताना नाममात्र दिया जाता है। मालिक मजदूरों के सिर पर करोड़ों रुपया कमा रहे है। आकडों के मुताबिक बीते सालों में देश में हजारों मजदूर मारे जा चुके है। हादसों नं सवाल खड़े कर दिये हैं कि बार-बार हो रहे इन हादसों के कारण क्या है इस घटना ने यह प्रमाणित कर दिया है कि बीती घटनाओं से न तो सरकार ने सबक सिखा और न ही लोगों ने सीखा।

-नरेंद्र भारती-

बेकसूर मजदूर कब तक जिन्दा जलते रहेंगे यह एक यक्ष प्रश्न बनता जा रहा है ' प्रतिदिन समाचार पत्रों में मजदूरों के मरने की खबरें सुखियां बनती है मगर सरकारें मूकदर्शक बनी तमाशा देख रही हैं। देश के कारखानों में मजदूर मर रहे हैं हर जगह मजदूर काल का ग्रास बन रहे है। ताजा हादसा एक अप्रैल 2025 को मंगलवार को गुजरात के बनासकांठा जिले में एक पटाखा गोदाम में विस्फोट के बाद आग लगने से और ईमारत ढह जाने से 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई ' ऐसा ही हादसा 12 अक्टूबर 2024 को गुजरात के मेहसाणा के कड़ी कस्बे मे घटित हुआ था जहाँ काम करते समय 9 मजदूर जिन्दा दफन हो गए थे सभी मजदूरों के शव निकाल दिए थे दफन होने वाले मजदूर 25 से तीस साल के थे 'मजदूरों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा की उनकी इतनी दर्दनाक मौत होगी 'देश में मजदूरों के साथ हादसे कब थमेगें यह एक यक्ष प्रशन है। हर साल दिवस मनाए जाते है मगर धरातल की सच्चाइयां बहुत ही भयानक है मजदूरों का शोषण किया जाता है। मजदूरों के नाम पर सैकडों योजनाए चलाई जाती है मगर उन्हे उनका हक नहीं मिलता। देश में हर रोज मजदूर बेमौत मर रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार उत्तरकाशी में बेकसूर मजदूरों ने 17दिन और 16 रातें कैसे निकाली थी यह मजदूर ही जानते होंगे ' खौफनाक मंजर को कभी नहीं भूल पाएंगे ' 17 दिन सूर्य के दर्शन नहीं हुए थे ' मजदूरों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था की जिस सुरंग का निर्माण कर रहे हैं उसमें कैद हो जाएंगे ' करोड़ों देश वासिओं की दुआएं रंग लाई और मजदूरों को नया जीवन मिल गया और 12दिन सुरंग की कैद से मुक्त हो गए थे ' 12 तारीख को एक तरफ रविवार को दीपावली के दिन जहाँ पूरा भारतवर्ष दिवाली की खुशियाँ मना रहा था वहीं दूसरी तरफ उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निमार्णाधीन सुरंग में बहुत ही भयंकर दुःखद हादसा हुआ था जब सुरंग ढहने से 41मजदूर सुरंग के अंदर फंस गए थे ' उत्तरकाशी के सिल्कयारा में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनी सुरंग में फंसे 41 मजदूर जिंदगी व मौत के बीच झूल रहे थे सरकार द्वारा मजदूरों को बाहर निकालने के लिए जारी रेस्क्यू अभियान का 17 दिन ऑपरेशन जारी रहा था और मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया गया था ' देश प्रतिदिन समाचार पत्रों में मजदूरों के मरने की खबरें सुखियां बनती है मगर सरकारें मूकदर्शक बनी तमाशा देख रही हैं। देश में मजदूरों के साथ हादसे थमने का नाम नहीं ले रहें हैं। हर साल दिवस मनाए जाते है मगर धरातल की सच्चाइयां बहुत ही भयानक है मजदूरों का शोषण किया जाता है। मजदूरों के साथ होने वाले यह हादसे बहुत ही त्रासदी है। कहीं उद्योगों में जलकर मारे जा रहे हैं। हादसों की बजह से बच्चे अनाथ हो रहे है। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है। देश में हर वर्ष लाखों मजदूर दबकर मारे जा रहे हैं उद्योगों में जलकर मारे जा रहे हैं। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है। देश के कारखानों में मजदूर मर रहे हैं, इमारतों के नीचे दबकर मजदूर काल का ग्रास बन रहे है। हादसों को देखकर रौगंटे खडे.हो जाते हैं देश के राज्यों में चल रहे ईटों के भठठों में मजदूर मारे जा रहे हैं। मजदूरों के पसीने से ही ईटें पकती हैं मगर भठठा मालिक मजदूरों का शोषण कर रहे हैं मजदूर खून-पसीना बहाकर काम करते है। मगर बदले में मेहनताना नाममात्र दिया जाता है। मालिक मजदूरों के सिर पर करोड़ों रुपया कमा रहे है। आकडों के मुताबिक बीते सालों में देश में हजारों मजदूर मारे जा चुके है। हादसों नं सवाल खड़े कर दिये हैं कि बार-बार हो रहे इन हादसों के कारण क्या है इस घटना ने यह प्रमाणित कर दिया है कि बीती घटनाओं से न तो सरकार ने सबक सिखा और न ही लोगों ने सीखा। हांलाकि इसयह कोई पहला हादसा नहीं है पिछले कई सालों से ऐसे दर्दनाक हादसे हो रहे हैं। बीते वर्ष में रायबरेली के उंचाहार में एटीपीसी संयत्र का बायलर फटने से 30 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा 100के लगभग घायल हो गए थे। 500 मैगावाट इकाई के बायलर में यह हादसा हुआ था उस समय 200 कामगार मौजूद थे सरकारों ने मृतकों को मुआवजे की घोषणा करती है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है। एक ऐसा ही हादसा जयपुर के पास खातोलाई गांव में घटित हुआ था जहां टाज्सफारमर फटने से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने औद्योोगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा पर प्रशनचिन्ह लगा दिया है इन हादसों पर संज्ञान लेना होगा तथा मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होगें ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके। गत वर्ष जम्मू के उधमपूर से 80 किलोमीटर दूर रामबन जिले के चंद्रकोट में जम्मू-कश्मीर हाईवे पर टनल कर्मचारियों की बैरक में आग लगने से दस श्रमिक जिंदा जल गए थे। गत वर्ष एक निमार्णाधिन प्रोजेक्ट की दीवार गिरने से चार मजदूर बेमौत मारे गए। यहां पर 11 मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक दीवार गिर गई सात मजदूर तो भागकर बच गए मगर बेचारे चार मजदूर जिन्दा दफन हो गए थे। इन मजदूरों पर 42 मीटर लंबी दीवार गिर गई यह बहुत ही दुखद हादसा था। मुम्बई के अलीबाग में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 9 मजदूर मारे गए और 19 घायल हो गए थे। और दूसरी घटना में 24 फरवरी 2014 को कुल्लु के मणीकर्ण में करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई थी जो के एक ठेकेदार के पास काम कर रहा था इस दर्दनाक हादसे में एक अन्य मजदूर घायल हो गया था। गोवा के कनाकोना शहर में फिर एक निमार्णाधीन इमारत गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई थी। जब यह इमारत ढही उस समय 40 लोग काम कर रहे थे इस घटना ने सवाल खड़े कर दिये हैं कि बार-बार हो रहे इन हादसों के कारण क्या है इस घटना ने यह प्रमाणित कर दिया है कि बीती घटनाओं से न तो सरकार ने सबक सिखा और न ही लोगों ने सीखा। हांलाकि इसयह कोई पहला हादसा नहीं है पिछले कई सालों से ऐसे दर्दनाक हादसे हो रहे हैं गत वर्ष महाराष्ट्र में एक इमारत के गिरने से 75 मजदूरों की असमय मौत गई थी और 60 मजदूर घायल हो गए थे आखिर कब तक मजदूर इमारतों में जमीदोज होते रहगें। कुछ दिन पहले निमार्णाधीन यह इमारत ताश मे पतों की तरह ढह गई यहां ज्यादातर मजदूर ही रह रहे थे। यह बहुत ही दर्दनाक हादसा था जिसने एक साथ इतने लोगों को लील लिया। प्रशासन मुआवजे का मरहम लगाता है मगर जो बेमौत मारे गये क्या वे लौट आएगें यह एक यक्ष प्रशन बनता जा रहा है। सरकार ऐसी घटनाओ के बाद मुआवजों की घोषणा करने तथा जांच के आदेश देने में देरी नहीं करती लेकिन यदि पहले ही इन लोगों पर करवाई कर ली जाए तो ऐसे हादसे रुक सकते है मगर सरकारों की तन्द्रा तो हादसे के बाद ही टूटती है। आखिर कितने हादसों के बाद प्रशासन अपनी जिम्मेवारी निभायेगा इस प्रशन का जबाब सरकार को देना होगा।

सपा नेताओं के बिगड़े-बिगड़े बोल

-प्रदीप कुमार वर्मा-

मुगल आक्रांता औरंगजेब का महिमा मंडन, सैयद सालार मसूद गाजी का गुणगान और मरुधरा के वीर सपूत राणा सांगा पर अपमानजनक टिप्पणी, समाजवादी पार्टी द्वारा राष्ट्र नायकों के अपमान का क्रम लगातार जारी है। उत्तर प्रदेश में कथित तौर पर जाति एवं मजहब की राजनीति करने वाली सपा नेताओं के बोल लगातार बिगड़ रहे हैं। सपा नेताओं की अपमानजनक टिप्पणियों के बाद करणी सेना सहित अन्य सामाजिक संगठनों में रोष है लेकिन मुस्लिम तुष्टिकरण के नाम पर राजनीति करने वाली सपा नेताओं को इससे कोई सरोकार नहीं है। यही नहीं, सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने अपने नेताओं के बयानों पर आघोषित तौर पर सहमति जताते हुए उनका पक्ष लिया है। इसके बाद समूचे देश में एक बहस शुरू हो गई है, कि क्या राजनीति और मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए राष्ट्र नायकों का अपमान करना जायज है?

मुगल शासक औरंगजेब के नाम पर महाराष्ट्र से शुरू हुआ बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी द्वारा मुगल शासक औरंगजेब के महिमा मंडन से शुरू हुआ क्रम अब राजस्थानों के वीर सपूतों के अपमान तक आ पहुंचा है। राष्ट्र नायकों के अपमान का यह काम इस बार भी समाजवादी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन ने किया है। संसद में बहस के दौरान सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने राजस्थान के वीर योद्धा राणा सांगा को ह्लगद्दारह्व कहकर सनसनी फैला दी है। राणा सांगा के नाम से चर्चित महाराणा संग्राम सिंह उदयपुर में सिसोदिया राजपूत राजवंश के राजा थे। राणा सांगा ने मेवाड़ में 1509 से 1528 तक शासन किया था।

राणा रायमल की मृत्यु के बाद 1509 में राणा सांगा मेवाड़ के महाराणा बनाए गए थे। इन्होंने अपनी शक्ति के बल पर मेवाड़ साम्राज्य का विस्तार किया। राणा सांगा ने विदेशी आक्रमणकारियों के खिलाफ सभी राजपूतों को एक किया था। इन्होंने दिल्ली, गुजरात और मालवा, मुगल बादशाहों के आक्रमणों से अपने राज्य की रक्षा भी की थी तथा उस समय के वह सबसे शक्तिशाली राजा थे। ऐसे में समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा राणा सांगा पर की गई अपमानजनक टिप्पणी से पूरे के देश राजपूत समाज में खास रोष है। राजपूत समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली करणी सेना ने इस अपमान के लिए पूरे देश में आंदोलन का ऐलान किया है। करणी सेना की उत्तर प्रदेश इकाई ने आगरा में सपा सांसद रामजीलाल सुमन के विरुद्ध जोरदार प्रदर्शन किया है। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजपाल अमु ने राणा सांगा के अपमान करने वाले सपा सांसद रामजीलाल सुमन से अपने बयान पर माफी मांगने की बात कही है।

अम्मु ने कहा है कि राजपूत समाज में इस घटना के बाद रोष है तथा इसके लिए सपा सांसद रामजीलाल सुमन एवं उनके पक्ष लेने वाले सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। उधर, सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने कहा है कि उनका बयान एक ऐतिहासिक तथ्य पर आधारित है तथा वह अपने बयान पर माफी नहीं मांगेंगे। इसके बाद यह मामला और गरमा गया है तथा राजपूत समाज और सपा आमने-सामने हो गए हैं। वहीं, राज्यसभा में इस मामले पर चर्चा के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रामजीलाल सुमन के विरुद्ध हुए प्रदर्शन में दलित 'एंगल' जोड़ दिया है। खड़गे का कहना है कि सपा सांसद रामजीलाल सुमन के दलित होने के कारण ही राजपूत समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली करणी सेना उनके विरुद्ध प्रदर्शन कर रही है।

समाजवादी पार्टी द्वारा मुगल शासको और आक्रांताओं का पक्ष लेने का यह कोई पहला मामला नहीं है। औरंगजेब के महिमा मंडन के बाद संभल में सैयद सालार मसूद गाजी के मेले पर रोक के बाद भी सपा योगी सरकार के विरुद्ध बयान बाजी कर रही है। यह मुस्लिम तुष्टिकरण की पराकाष्ठा ही मानी जाएगी की मुगल शासको और आक्रांताओं के महिमा मंडन के बाद अब समाजवादी पार्टी के नेता महाराणा सांगा जैसे राष्ट्र नायकों का अपमान करने पर उतर आई है। इस संबंध में भाजपा का कहना है कि औरंगजेब से लेकर सैयद सालार गाजी के पक्ष में बयान बाजी करने के बाद अब समाजवादी पार्टी द्वारा राष्ट्र नायकों के अपमान का यह कृत्य चुनावी राजनीति के लिए मुस्लिम तुष्टिकरण ही है। उत्तर प्रदेश से लेकर महाराष्ट्र तक समाजवादी पार्टी के नेताओं के बोल इन दिनों बिगड़े हुए हैं, तो सपा सुप्रीमो इन नेताओं का पक्ष लेकर मुस्लिम तुष्टिकरण की हवा को और बढ़ा रहे हैं। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव का कहना है कि रामजीलाल सुमन ने ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर बयान दिया है। भाजपा द्वारा जब इतिहास के पन्नों को पालटा जा रहा है, तो राणा सांगा के संबंध में दिया गया बयान भी एक ऐसा ही ऐतिहासिक तथ्य है। उधर, बहराइच में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश अपने राष्ट्र नायकों का अपमान अब बर्दाश्त नहीं करेगा।

अश्लील और कानफोड़ू गानों से करें परहेज

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

शादी एक खास अवसर होता है, जो दो परिवारों की सांस्कृतिक, पारिवारिक और भावनात्मक दुनिया को जोड़ता है। यह केवल दो लोगों का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों का मिलन है, जिसमें भावनाओं, संस्कारों और परंपराओं का आदान-प्रदान होता है। संगीत इस आयोजन का अभिन्न हिस्सा है, लेकिन इसका चयन बेहद सावधानी से किया जाना चाहिए। केवल मस्ती और डांस तक सीमित न होकर संगीत को हमारे मूल्यों, रिश्तों और भावनाओं का सम्मान करना चाहिए।

गानों का हमारी भावनाओं और मूल्यों से संबंध

शादी में बजने वाले गाने रिश्तों की गरिमा, परिवार की भावनाओं और संस्कृति का आदान-प्रदान करते हैं। गानों के बोल और धुनों का असर हमारे मनोबल और शादी के समग्र अनुभव पर पड़ता है। शादी एक पारिवारिक आयोजन होता है, जिसमें विभिन्न आयु समूहों के लोग उपस्थित होते हैं। माता-पिता, दादा-दादी, चाचा-चाची और छोटे बच्चे भी समारोह में होते हैं। ऐसे में गानों के बोल शालीन और मर्यादित होने चाहिए ताकि किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचे। जैसे कि, जब हम शादी के सादे और गंभीर समारोहों में भाग लेते हैं, तो हमें यह याद रखना चाहिए कि यह एक गहरे बंधन का प्रतीक है, और इस समय का संगीत वही होना चाहिए जो इस सच्चाई को सम्मानित करे। शादी का संकल्प जीवनभर के लिए होता है। यह एक ऐसा वचन होता है जिसमें दोनों पक्षों का प्यार, विश्वास और समर्पण शामिल होते हैं। ऐसे में गाने भी ऐसे होने चाहिए जो प्रेम, रिश्ते और परस्पर सम्मान की भावनाओं को व्यक्त करें। ब्रेकअप या धोखा पर आधारित गाने, जैसे "चन्ना मेरेया" या "भुला दूंगा", इस अवसर के लिए सही नहीं होते। ये गाने शादी के संकल्प के साथ मेल नहीं खाते हैं।

हर शादी की अपनी संस्कृति, परंपराएं और रीति-रिवाज होते हैं। विशेषकर भारतीय शादियों में पारंपरिक संगीत और धार्मिक अनुष्ठानों का बहुत महत्व है। ऐसे में, गानों के चयन में हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे किसी भी धार्मिक या सांस्कृतिक मान्यताओं को ठेस न पहुंचाएं। उदाहरण के तौर पर, यदि शादी एक विशेष धार्मिक रीति से हो रही है, तो हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि संगीत इस परंपरा के अनुरूप हो। शादी एक उत्सव होता है, और संगीत का मुख्य उद्देश्य इस खुशी को बढ़ाना है। जो गाने उत्साह और खुशी से भरे होते हैं, वे इस अवसर को और खास बना सकते हैं। इसके विपरीत, उदास या नकारात्मक गाने जैसे "तू जो नहीं", "तुम ही हो" आदि माहौल को फीका कर सकते हैं। संगीत को चुनते समय हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि वह हर किसी के मन को खुशी और सकारात्मकता दे।

किन गानों को "डू नॉट प्ले" लिस्ट में रखें?

शादी के संगीत का चयन करते समय यह सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है कि हम उन गानों से बचें जो अश्लील, द्विअर्थी या असंवेदनशील हों। शादी का माहौल पवित्र और पारिवारिक होता है, और इसलिए हमें उन गानों से बचना चाहिए जो भाषा या भावनाओं से मयार्दा लांघते हों। उदाहरण के तौर पर, "मुन्नी बदनाम" और "शीला की जवानी" जैसे गाने इस अवसर के लिए उपयुक्त नहीं होते। शादी एक प्रेम और वचन का उत्सव है, और ऐसे गाने जो ब्रेकअप, धोखा या अस्थिर रिश्तों पर आधारित होते हैं, जैसे "चन्ना मेरेया" या "भुला दूंगा", शादी के माहौल के अनुकूल नहीं होते। शादी के समय यदि गाने नशे या अन्य नकारात्मक प्रवृत्तियों को बढ़ावा देते हैं, तो यह माहौल के अनुरूप नहीं होते। "दारू देसी", "लुंगी डांस", और "माई ड्रिंकिंग" जैसे गाने शादी के गरिमामय माहौल को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ गाने जो केवल तेज आवाज और शोर से भरे होते हैं, जैसे कि अत्यधिक बेस वाले गाने या ऊख ट्रैक्स, वे कभी-कभी माहौल को कष्टकारी बना सकते हैं। इनसे बचने के लिए संगीत का चयन इस तरह किया जाना चाहिए कि हर कोई उसे आसानी से सुन सके और उसका आनंद ले सके। हमारी शादी में सभी वर्गों और समुदायों के लोग उपस्थित होते हैं। ऐसे में किसी भी धार्मिक या जातिगत भावनाओं को आहत करने वाले गानों से बचना चाहिए। इन गानों से बचने के लिए यह जरूरी है कि गानों का चयन एक समानता, सम्मान और प्रेम को व्यक्त करें।

कैसे बनाएं संतुलित प्लेलिस्ट?

संतुलित और विविधतापूर्ण प्लेलिस्ट बनाने के लिए कुछ विशेष टिप्स का पालन किया जा सकता हैः शादी में दूल्हा-दुल्हन के साथ-साथ परिवार और दोस्तों की पसंद का भी ध्यान रखना जरूरी होता है। प्लेलिस्ट में ऐसे गाने शामिल करें जो सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए सुखद हो। गाने हमेशा मधुर और मेलोडियस होने चाहिए। इस तरह के गाने न केवल कानों को अच्छा महसूस कराते हैं, बल्कि वे दिलों को भी जोड़ते हैं। शादी के इस खास दिन पर रोमांटिक गाने, जैसे "तुम ही हो", "तुम जो आए" आदि, माहौल को और भी खास बना सकते हैं। गानों का चयन इस तरह करें कि वे शालीनता और गरिमा का प्रतीक हों। शादी एक गंभीर और सम्मानजनक अवसर है, और इस पर कोई भी गाना जो शब्दों में शालीनता को न दिखाए, उसे सूची से हटा दिया जाना चाहिए।

हर रस्म के लिए सही संगीत का चयन करें। जयमाला के लिए रोमांटिक और भावुक गाने, डांस फ्लोर के लिए एनर्जेटिक ट्रैक, और विदाई के समय पर भावनात्मक धुनें इस दिन को और भी यादगार बना सकती हैं। शादी में पारंपरिक भारतीय संगीत, सूफी गाने, और लोकगीत भी एक अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस तरह के गाने शादी के पारंपरिक और सांस्कृतिक वातावरण को और अधिक जीवंत बना सकते हैं। अगर बजट अनुमति देता है, तो लाइव बैंड या सूफी गायन को शामिल करना एक अच्छा विचार हो सकता है। लाइव संगीत एक अलग प्रकार की आत्मीयता और जुड़ाव उत्पन्न करता है जो डीजे संगीत से नहीं हो सकता।

शादी सिर्फ एक आयोजन नहीं, एक भावनात्मक यात्रा है

शादी केवल एक उत्सव नहीं होती, बल्कि यह एक भावनात्मक यात्रा होती है। संगीत, जो हमारे दिलों और दिमागों को जोड़ता है, इस यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जल और ऊर्जा: मितव्ययिता के साथ विवेकपूर्ण उपयोग जरूरी!

-सुनील कुमार महला-

वर्तमान में अप्रैल का महीना चल रहा है और अभी से ठीक-ठाक गर्मी पड़ने लगी है। अभी से ही उत्तर भारत गर्मी का सामना करने लगा है। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि हाल ही में इस संदर्भ में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अलर्ट जारी किया है। आईएमडी का यह अनुमान है कि इस बार अप्रैल में सामान्य से ज्यादा गर्मी पड़ेगी। गौरतलब है कि आईएमडी द्वारा कई इलाकों में 'लू'(गर्म हवाएं)का भी अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा सहित कुछ राज्यों में 10 से 11 दिन लू चलने की संभावना है। कहना चाहूंगा कि मौसम विभाग ने आने वाले महीनों में सामान्य से अधिक गर्मी और हीटवेव को लेकर जो अलर्ट जारी किया है, वह जलवायु परिवर्तन के गहराते संकट को इंगित करता है। आईएमडी के मुताबिक देश में अप्रैल से जून तक तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है। इसके अलावा मध्य और पूर्वी भारत और उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में 'लू' चल सकती है। आशंका जताई गई है कि पश्चिमी और पूर्वी भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। वास्तव में, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, मध्यप्रदेश के साथ-साथ महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप दिखेगा। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि आज के समय वैश्विक तापमान(ग्लोबल वार्मिंग)में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे धरती पर गर्म लहरों की तीव्रता बढ़ रही है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण पारिस्थितिकी तंत्र, मानव स्वास्थ्य, जीवों के स्वास्थ्य, वनस्पतियों और देश की अर्थव्यवस्था पर व्यापक असर पड़ता है। सच तो यह है कि अत्यधिक गर्मी उधोगों और व्यवसायों के लिए अनेक प्रकार की चुनौतियां प्रस्तुत करती है। कहना गलत नहीं होगा कि गर्मी बढ़ने से उत्पादकता में अभूतपूर्व कमी आती है। उच्च तापमान के संपर्क में आने वाले कर्मचारी गर्मी से संबंधित बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, जिससे कार्य कुशलता कम हो जाती है और उत्पादकता प्रभावित होती है। अत्यधिक गर्मी आपूर्ति श्रृंखलाओं(जैसे कि परिवहन व रसद में देरी) को बाधित कर सकती है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, शीतलन उद्देश्यों के लिए ऊर्जा की खपत में जबरदस्त वृद्धि होती है। यह बढ़ी हुई मांग बिजली ग्रिड पर दबाव डालती है, जिससे संभावित रूप से बिजली की कटौती होती है और निरंतर ऊर्जा आपूर्ति पर निर्भर व्यवसायों पर असर पड़ता है और ऊर्जा की मांग में अभूतपूर्व वृद्धि होती है। कहना चाहूंगा कि अत्यधिक गर्मी से कई तरह से वित्तीय नुकसान हो सकता है, जिसमें कृषि में फसल की विफलता, पर्यटन पर निर्भर व्यवसायों के लिए पैदल यातायात में कमी, तथा क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के रख-रखाव की लागत में वृद्धि शामिल है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि मौसम वैज्ञानिक बहुत लंबे समय से यह चेतावनी जारी कर रहे हैं कि ग्लोबल वार्मिंग(वैश्विक तापमान) में बढ़ोत्तरी की वजह से दुनिया भर में चरम मौसमी घटनाएं बढ़ेंगी और भारत भी इससे अछूता नहीं रहेगा। गौरतलब है कि पिछले ही वर्ष यानी कि वर्ष 2024 में पहली हीटवेव ओडिशा में अप्रैल की शुरूआत में महसूस की गई थी, जबकि इस वर्ष कोंकण व तटीय कर्नाटक के कुछ हिस्सों में फरवरी का अंत आते-आते ही होटवेव जैसी स्थितियां पैदा होने से मौसम को लेकर पहले ही अनेक प्रकार की आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। यह बात ठीक है कि हम ग्लोबल वार्मिंग को एकदम से रातों-रात नहीं रोक सकते हैं, लेकिन हम गर्मी रोकने वाली गैसों और कालाशे कार्बन के मानव उत्सर्जन को कम करके इसकी दर को धीमा कर सकते हैं और ग्लोबल वार्मिंग की मात्रा को काफी हद तक सीमित कर सकते हैं। अपनी दैनिक दिनचयाओं को समायोजित करके भी हम ग्लोबल वार्मिंग को रोकने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं। मसलन, रिसाइक्लिंग (पुनर्चक्रण), परिवहन के तरीकों को बदलकर, भोजन की बबार्दी को रोककर, अपनी ऊर्जा खपत का उचित प्रबंधन करके तथा दूसरों को पर्यावरण के प्रति शिक्षित और जागरूक करके काफी हद तक ग्लोबल वार्मिंग से बचा जा सकता है। आज विभिन्न मानवीय गतिविधियों के कारण पृथ्वी की सतह के औसत तापमान में दीर्घकालिक वृद्धि हो रही है और इसके लिए मुख्य रूप से कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधन का जलना जिम्मेदार ठहराते जा सकते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि ये गतिविधियाँ ग्रीनहाउस गैसों को वायुमंडल में छोड़ती हैं, और हमारे नीले ग्रह के नाजुक जलवायु संतुलन को बिगाड़ती हैं। संक्षेप में कहें तो ग्लोबल वार्मिंग से तात्पर्य विशेष रूप से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के कारण पृथ्वी की सतह के तापमान में वृद्धि से है और यही तापमान वैश्विक जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा दे रहा है। सच तो यह है कि तापमान में निरंतर वृद्धि दुनिया भर में व्यवधानों को बढ़ावा देती है। मसलन, अधिक चरम गर्मी पिघलती बर्फ की टोपियों से लेकर बारिश के बदलते पैटर्न तक, कृषि और जल आपूर्ति को प्रभावित करते हैं। ग्लोबल वार्मिंग से समुद्र का स्तर बढ़ता है। ग्लेशियर और बर्फ की चादरें पिघलने लगतीं हैं। उच्च तापमान से तूफान, वन्य आग, बाढ़ और सूखे की घटनाएं बढ़ जाती हैं। जैव-विविधता की हानि होती है। सच तो यह है कि आज कई प्रजातियां बदलती जलवायु के अनुकूल ढलने के लिए संघर्ष कर रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप विलुप्ति हो रही है। तापमान बढ़ोत्तरी से महासागरों का अम्लीकरण होता है। इससे अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड महासागरों में घुल जाती है, जिससे पीएच स्तर में परिवर्तन होता है और समुद्री जीवन को नुकसान पहुंचता है। धरती का तापमान बढ़ता है तो भोजन एवं पानी की कमी हो जाती है। सच तो यह है कि सूखे और अनियमित मौसम से फसल की पैदावार कम हो जाती है, जिससे खाद्य सुरक्षा को खतरा पैदा हो जाता है। वायु प्रदूषण और अत्यधिक गर्मी श्वसन संबंधी बीमारियों और हीटस्ट्रोक में योगदान देती है। संक्षेप में कहें तो इससे स्वास्थ्य पर संकट बढ़ते हैं। बहरहाल, कहना गलत नहीं होगा कि यदि हमने समय रहते अपने कार्बन उत्सर्जन(ग्रीन हाउस गैसों) को नियंत्रित नहीं किया और पर्यावरण संरक्षण को उचित प्राथमिकता नहीं दी, तो आने वाले वर्षों में हालात और भी भयावह हो सकते हैं। आज वनों की कटाई, चरागाहों में लगातार कमी और अनियंत्रित औधोगिकीकरण और शहरीकरण ने मौसम चक्र को असंतुलित किया है, जिससे मौसम संबंधी असामान्य घटनाएं भारत समेत पूरी दुनिया में बढ़ी हैं। पाठकों को बताता चलूं कि पेरिस समझौता जलवायु परिवर्तन पर कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय संधि है, जो वर्ष 2015 में पेरिस में हुआ था लेकिन अमेरिका ने पेरिस समझौते से दूरी बनाकर अपना रुख पहले ही स्पष्ट कर दिया है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका:घर पर विमान गिरा, एक की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। मिनियापोलिस (अमेरिका) के ब्रुकलिन पार्क इलाके में शनिवार को एक छोटा विमान एक घर से टकरा गया। इस हादसे में विमान में सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। ब्रुकलिन पार्क की प्रवक्ता रिसिकत अडेओसोगुन ने बताया कि जिस घर पर विमान गिरा, उसके सभी निवासी सुरक्षित हैं। हालांकि, घर पूरी तरह नष्ट हो गया। अमेरिकी संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त विमान एक इंजन वाला एसओसीएटीए टीबीएम 7 था। यह विमान आयोवा के डेस मोइनेस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरकर मिनियापोलिस के एनोका काउंटी-ब्लेन हवाईअड्डे पर जा रहा था। फिलहाल, यह साफ नहीं हो पाया है कि विमान में कुल कितने लोग सवार थे। दुर्घटना की जांच राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) कर रहा है।

अमेरिका ने यूनिवर्सिटीज में प्रदर्शन करने वाले विदेशी छात्रों को देश छोड़ने के लिए कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की यूनिवर्सिटीज में विरोध प्रदर्शन करने वाले सैकड़ों विदेशी छात्रों को अमेरिकी विदेश विभाग ने ईमेल भेजे हैं। इन ईमेल्स में छात्रों को खुद से अमेरिका छोड़ने (सेल्फ डिपोर्ट करने) के लिए कहा गया है। इसके अलावा अमेरिका के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट करने वाले या उन पोस्ट को लाइक करने वाले छात्रों को भी ऐसे ही ईमेल्स भेजे गए हैं। इससे पहले 27 मार्च को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने देश विरोधी गतिविधियों में शामिल विदेशी छात्रों के वीजा रद्द करने की घोषणा की थी। अब तक ऐसे 300 छात्रों पर कार्रवाई की गई है। विदेश मंत्रालय ने एक ढ्ढ ऐप कैच एंड रिवोक भी लॉन्च किया है। इस ऐप की मदद से हमास या दूसरे आतंकवादी संगठनों का समर्थन करने वाले विदेश छात्रों की पहचान की जा रही है।

ग्रीनलैंड के खिलाफ सैन्य कार्रवाई भी कर सकते हैं, डेनमार्क के विदेश मंत्री के बयान पर भड़के ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। डेनमार्क के विदेश मंत्री के हालिया बयान ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को नाराज कर दिया है। यही वजह है कि उन्होंने कहा है कि ग्रीनलैंड के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का विकल्प भी है। हालांकि उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि बिना किसी सैन्य कार्रवाई के शांति से सब निपट जाए। दरअसल डेनमार्क के विदेश मंत्री ने शनिवार को एक बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने ट्रंप प्रशासन के ग्रीनलैंड को लेकर लहजे की आलोचना की। दरअसल अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने हाल ही में ग्रीनलैंड का दौरा किया था। उस दौरान उन्होंने कहा कि हमारा डेनमार्क को साफ संदेश है। आपने ग्रीनलैंड के लोगों के लिए पर्याप्त काम नहीं किए हैं। ग्रीनलैंड के लोगों की सुरक्षा में पर्याप्त निवेश नहीं किया गया और इसे बदलना चाहिए। वेंस ने ये भी कहा कि अमेरिका के पास अब कोई विकल्प नहीं बचा है और हमें ग्रीनलैंड की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए डेनमार्क से ग्रीनलैंड की आजादी का समर्थन बढ़ाना होगा। वेंस ने ग्रीनलैंड के लोगों से अपील करते हुए कहा कि हम आपकी सुरक्षा के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं और अर्थव्यवस्था के लिए भी ये अच्छा रहेगा।

सार्वजनिक संपत्ति को हुआ नुकसान, काठमांडू सिविक बॉडी ने नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र पर लगाया जुर्माना

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजधानी में राजशाही समर्थक विरोध प्रदर्शनों के दौरान सार्वजनिक संपत्ति और पर्यावरण को हुए नुकसान के लिए काठमांडू के नागरिक निकाय ने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह पर जुर्माना लगाया है। यह विरोध प्रदर्शन ज्ञानेंद्र शाह के आह्वान पर आयोजित किया गया था, जिससे काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी (केएमसी) ने काठमांडू के बाहरी इलाके महाराजगंज में उनके आवास पर एक पत्र भेजा। इस पत्र में केएमसी ने उनसे 7,93,000 नेपाली रुपये का मुआवजा देने को कहा। साथ ही, सरकार ने उनका पासपोर्ट भी रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह जुर्माना सड़कों और फुटपाथों पर कचरे के अनुचित निपटान, साथ ही भौतिक संरचनाओं को हुए नुकसान के लिए लगाया गया। केएमसी ने शनिवार को कचरा प्रबंधन अधिनियम, 2020 और काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी फाइनेंस एक्ट, 2021 के उल्लंघन का हवाला देते हुए जुर्माना नोटिस जारी किया। रिपोर्ट के मुताबिक, काठमांडू के कई हिस्सों में शुक्रवार को तनावपूर्ण स्थिति देखी गई, जब राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया, एक राजनीतिक दल के कार्यालय पर हमला किया, वाहनों में आग लगा दी और काठमांडू के तिनकुनेबनेश्वर इलाके में दुकानों में लूटपाट की। इस हिंसक झड़प में एक टीवी कैमरामैन सहित दो लोगों की मौत हो गई और 110 अन्य घायल हो गए। ज्ञानेंद्र शाह को भेजे गए पत्र में (जिसकी प्रतियां मीडिया को भी दी गईं) केएमसी ने कहा, पूर्व सम्राट के आह्वान पर आयोजित विरोध प्रदर्शन ने महानगर की विभिन्न संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया और राजधानी शहर के पर्यावरण को प्रभावित किया। इस आंदोलन के आयोजक दुर्गा प्रसाद ने एक दिन पहले ज्ञानेंद्र शाह से मुलाकात की थी और उन्हें राजशाही और हिंदू राज्य की बहाली की मांग को लेकर आंदोलन करने के निर्देश मिले थे। यह घटनाक्रम तब हुआ, जब फरवरी में लोकतंत्र दिवस के बाद से राजशाही समर्थक सक्रिय हो गए थे।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन की लग्जरी कार में ब्लास्ट,

खुफिया एजेंसी के ऑफिस के बाहर आग का गोला बनी लिमोजिन

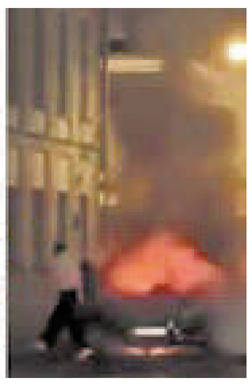

मास्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के काफिले की लग्जरी कार में ब्लास्ट हुआ है. यह धमाका रूसी खुफिया एजेंसी एफएसबी के मुख्यालय के पास हुआ. पुतिन के काफिले की कार में धमाके से रूसी सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं. ये धमाका ऐसे समय में हुआ, जब हाल ही में यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पुतिन की मौत की भविष्यवाणी की थी.

द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, व्लादिमीर पुतिन के काफिले की लग्जरी कार लिमोजिन में सेंट्रल मॉस्को में विस्फोट हो गया. हालांकि अबतक ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि ये किसी साजिश का हिस्सा है या कार में कोई खराबी आने के बाद आग लगी. राष्ट्रपति की कार में ब्लास्ट के बाद पुतिन की सुरक्षा को लेकर एजेंसियों सतर्क हो गई हैं और क्रेमलिन के अंदर भी उन पर हमले का खतरा बढ़ गया है. लग्जरी कार लिमोजिन में आग लगाने का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कार में आग की लपटें उठती हुई दिखाई दे रही हैं.

पुतिन की पसंदीदा कार है लिमोजिन

लिमोजिन कार रूसी राष्ट्रपति की पसंदीदा लग्जरी कार है. वह अकसर इस कार का इस्तेमाल करते हुए दिखाई दिए हैं. इतना ही नहीं वह अपने दोस्तों को भी ये कार गिफ्ट कर चुके हैं. उन्होंने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन को भी यह कार गिफ्ट की थी. यूक्रेन युद्ध के बाद से ही पुतिन की सुरक्षा को लेकर रूसी एजेंसियां सतर्क हैं, लेकिन हाल ही में यूक्रेनी राष्ट्रपति ने उनकी मौत की भविष्यवाणी भी की थी, जिसके बाद पुतिन को अपने ही लोगों से खतरे का अंदेशा था. बताया जा रहा है कि इस गाड़ी का प्रबंधन राष्ट्रपति संपत्ति विभाग द्वारा किया जाता है, जो राष्ट्रपति के ट्रांसपोर्ट का काम संभालता है. अभी तक ये स्पष्ट नहीं हो पाया है कि घटना के समय कार के अंदर कौन-कौन था.

सुरक्षा को लेकर अलर्ट रहते हैं पुतिन

हाल में मरमंस्क में संघीय सुरक्षा सेवा (स्नस्ह्र) के अधिकारियों द्वारा सुरक्षा गार्डों की तलाशी ली गई थी. द सन के हवाले से एक रूसी चैनल से एक पूर्व बॉडीगार्ड ने कहा था कि यह दिखाता है कि पुतिन को अपनी जान का कितना डर है. उन्होंने यह भी कहा कि पुतिन को अपने कर्मचारियों पर भरोसा नहीं है. पुतिन की सुरक्षा को लेकर एजेंसियां इतनी सतर्क रहती हैं कि एफएसओ एजेंट उनके भाषण स्थलों के पास कूड़ेदानों, सीवर कवरों की जांच करते हैं. ऐसी रिपोर्ट भी सामने आई हैं कि राष्ट्रपति सार्वजनिक जगहों पर भी बुलेटप्रूफ जैकेट पहनते हैं. क्रेमलिन के एक सूत्र ने द सन को बताया कि उनकी सुरक्षा में एक पूरी सेना लगी हुई है.

पुतिन को लेकर जेलेंस्की ने क्या दावा किया था?

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दावा किया था कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन की तबीयत बिगड़ रही है और वह जल्दी ही मर जाएंगे. जेलेंस्की ने यह बात बीते बुधवार (26 मार्च) को एक इंटरव्यू के दौरान कही थीं. उन्होंने आगे कहा था कि पुतिन के मरते ही युद्ध भी जल्दी खत्म हो जाएगा. इस दौरान उन्होंने अमेरिका से मजबूत बने रहने और मॉस्को पर अपनी आक्रामकता को रोकने के लिए दबाव जारी रखने की भी अपील की.

जेलेंस्की ने की थी यह भविष्यवाणी

इस मामले में प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि आग इंजन से निकली और फिर वाहन के अंदर फैल गई। इस घटना के दौरान आस-पास के रेस्तरां में मौजूद लोग दमकल कर्मियों के आने से पहले मदद के लिए बाहर निकल आए। फुटेज में वाहन से घना काला धुआं निकलता हुआ दिखाई दिया और देखते ही देखते इलाके में हाहाकार मच गया।इसके बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक बड़ा दावा किया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की तबीयत बिगड़ रही है और वह जल्द ही मर जाएंगे। जेलेंस्की ने यह भविष्यवाणी एक इंटरव्यू के दौरान की थी। कीव इंडिपेंडेंट वेबसाइट के अनुसार जेलेंस्की ने यूरोविजन न्यूज को दिए साक्षात्कार के दौरान कहा कि पुतिन जल्द ही मर जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि युद्ध भी जल्द समाप्त हो जाएगा। जबकि जेलेंस्की ने संयुक्त राज्य अमेरिका से मजबूत बने रहने और मॉस्को पर अपनी आक्रामकता को रोकने के लिए दबाव जारी रखने की भी अपील की।

मोटापे से परेशान मेक्सिको ने जंक फूड के खिलाफ छेड़ी जंग, स्कूलों में इस्तेमाल करने पर लगाया बैन

मेक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको ने अपने देश में डायबिटीज और मोटापे के खिलाफ जंग छेड़ दी है। प्रशासन ने स्कूलों में जंक फूड पर पूरी तरह से बैन लगा दिया है। अधिकारियों ने बताया कि नमकीन और मीठे जंक फूट या प्रोसेस्ड फूड मेक्सिको में स्कूली बच्चों में पीढ़ियों से लोकप्रिय है। जंक फूड की वजह से देश में भारी मात्रा में मोटापे और डायबिटीज के मरीज हो रहे हैं। इससे निपटने के लिए सरकार ने इस पर बैन लगाने का फैसला किया है, जो कि शनिवार से प्रभावी हो जाएगा।

मेक्सिको के शिक्षा मंत्रालय ने बैन के इस फैसले को लेकर सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट किया, अलविदा जंक फूड! यह बैन माता-पिता को अपने बच्चों के लिए भोजन पकाकर स्कूल भेजने और स्कूल में पका हुआ भोजन खिलाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। यह हमारे लिए एक धर्मयुद्ध की तरह है।मेक्सिकन स्वास्थ्य सचिव मारियो डेलगाडो ने कहा कि नई मेक्सिकन स्कूल पद्धति में हमारा मूल उद्देश्य बच्चों को स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। केवल हम ही नहीं बल्कि मेक्सिको के दंपत्तियों बीच में भी इस नीति को लेकर अच्छी खासी स्वीकृति है।

सोमवार से लागू होने वाले इस प्रतिबंध के तहत अब मेक्सिको के स्कूलों में जंक फूड की जगह दूसरे तरह के पके हुए पौष्टिक खाद्य पदार्थ के विकल्प होंगे इसके अलावा स्कूलों को पीने के लिए सादा पानी भी देना होगा। प्रतिबंध का समर्थन करते हुए मेक्सिकन राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने कहा कि आलू के चिप्स के एक बैग की तुलना में बीन टेको (एक मेक्सिकन भोजन) खाना ज्यादा बेहतर है।

दक्षिण कोरिया के जंगल में आग लगने की वजह आई सामने, पुलिस ने संदिग्ध के खिलाफ दर्ज किया मामला

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के दक्षिणी इलाके के जंगल में लगी आग की वजह सामने आ गई है। पुलिस ने आग लगने के कारणों की जांच के दौरान एक व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली है। जांच में सामने आया है कि वह जब अपने रिश्तेदारों की कब्र की सफाई कर रहा था, तब उसने कब्र के ऊपर लटकी पेड़ की शाखाओं को सिगरेट के लाइटर से जलाया। इसके बाद तेज हवा से आग की लपटें उठीं और पूरे जंगल में तबाही मच गई। पुलिस ने युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

दक्षिण कोरिया में आग ने भारी तबाही मचाई। इस आग में 30 लोगों की मौत हो गई। जबकि 300 से ज्यादा इमारतें और अन्य संरचनाएं नष्ट हो गईं। आग से 48 हजार हेक्टेयर में फैला इलाका नष्ट हो गया। पुलिस ने बताया कि उत्तरी ग्योंगसांग के उइसियोंग का इलाका सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। जांचकर्ताओं ने संदिग्ध व्यक्ति की बेटी से पूछताछ की। बेटी ने पुलिस को बताया कि 22 मार्च को अपने दादा-दादी की कब्र की सफाई करते वक्त उसके पिता ने कब्र के ऊपर लटकी पेड़ की शाखाओं को सिगरेट लाइट से जलाने की कोशिश की। इसे बाद आग कर लपटें हवा के साथ तेजी से फैल गईं और जंगल में आग लग गई।

हमास को युद्ध विराम प्रस्ताव मंजूर पर इजराइल ने पेश किया नया प्रपोजल

काहिरा, एजेंसी। फिलिस्तीनी गुट हमास ने मिस्र द्वारा रखे गए नए प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है. इसमें नए सिरे से युद्ध विराम के बदले में अमेरिकी-इजरायली एडन अलेक्जेंडर सहित पांच बंधकों को रिहा करने का प्रस्ताव है. मिस्र का प्रस्ताव अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ द्वारा पहले पेश किए गए प्रस्ताव के समान ही है. हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि इस नए प्रस्ताव में मृत बंधकों के अतिरिक्त शवों को रिहा करना भी शामिल है या नहीं.

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पांच बंधकों की रिहाई के बदले में हमास को युद्ध विराम के पहले चरण की शर्तों की वापसी की उम्मीद है, जिसमें मानवीय सहायता की आपूर्ति तथा युद्ध विराम के दूसरे चरण पर बातचीत के लिए समझौता शामिल है.

वहीं, दूसरी ओर इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार इजरायल ने मिस्र के प्रस्ताव के जवाब में एक प्रस्ताव पेश किया. कार्यालय ने कहा, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मध्यस्थों से प्राप्त प्रस्ताव के बाद कल व्यापक परामर्श किए. हाल के घंटों में इजरायल ने अमेरिका को भरोस में लेकर मध्यस्थों को अपना जवाबी प्रस्ताव सौंप दिया. इजरायली मीडिया रिपोर्टों के अनुसार इस पहल के तहत पांच इजराइली बंदियों को रिहा करने के बदले में गाजा में युद्धविराम हो सकेगा.

रिपोर्ट के अनुसार इस बीच इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने इस सप्ताह के प्रारंभ में हमास को चेतावनी दी थी कि जब तक बंधकों को रिहा नहीं किया जाता, इजरायल गाजा के कुछ हिस्सों में अपनी स्थायी उपस्थिति बनाए रखेगा.

अस्थिर युद्धविराम मंगलवार को तब टूट गया जब इजराइल ने गाजा पर बमबारी की. इससे दो महीने की शांति भंग हो गई. तथा कई बंधकों के बदले फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ दिया गया. शुक्रवार को कैट्ज ने कहा कि उन्होंने इजरायली सेना को निर्देश दिया है कि गाजा में अतिरिक्त क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया जाए. साथ ही आबादी को वहां से हटा दिया जाए. इसके साथ ही गाजा के आसपास सुरक्षा क्षेत्रों का विस्तार किया जाए ताकि इजरायल द्वारा क्षेत्र के स्थायी रखरखाव के माध्यम से इजरायली समुदायों की रक्षा की जा सके.

रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कहा कि जितना अधिक हमास बंधकों की रिहाई करने से इनकार करता रहेगा उतना ही अधिक क्षेत्र वह खो देगा. इस महीने की शुरुआत में इजरायल ने गाजा में अपना सैन्य अभियान फिर से शुरू कर दिया.

साथ ही इस क्षेत्र में पहुंचने वाली मानवीय सहायता पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया. इजरायली सरकार ने चेतावनी दी है कि उसके सैनिक गाजा के कुछ हिस्सों में तब तक स्थायी उपस्थिति बनाए रखेंगे जब तक कि 24 बंधकों को रिहा नहीं कर दिया जाता, जिनके जीवित होने की संभावना है. गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा किए गए घातक हमलों के बाद इस क्षेत्र में इजरायल के सैन्य हमले शुरू होने के बाद से कम से कम 50,277 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 114,095 अन्य घायल हुए हैं।

पाकिस्तान: केंद्र सरकार के खिलाफ बीएनपी के विरोध प्रदर्शन में 250 से अधिक कार्यकर्ता गिरफ्तार

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान की बलूचिस्तान नेशनल पार्टी (बीएनपी) के 250 से अधिक कार्यकर्ताओं को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। वे बलूच यकजहती समिति (बीवाईसी) के नेताओं और कार्यकर्ताओं की अवैध हिरासत के खिलाफ क्वेटा तक शांतिपूर्ण मार्च का नेतृत्व कर रहे थे। स्थानीय मीडिया ने शनिवार को बताया कि प्रदर्शनकारियों को बलूचिस्तान प्रांत के मस्तुंग के पास पकड़ा गया।

इससे पहले शनिवार को ही बीएनपी ने संघीय सरकार की आलोचना की क्योंकि उन्होंने वाध से क्वेटा तक शांतिपूर्ण मार्च को रोकने के लिए रास्ते में कंटेनर रखे और प्रमुख प्रवेश बिंदुओं को अवरुद्ध कर दिया। क्रूर दमन के बीच पार्टी नेतृत्व से शनिवार को अपने भविष्य की कार्रवाई की घोषणा करने की उम्मीद थी। बीएनपी ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट किया, सुरक्षाबलों ने लकपास, क्वेटा के पास एकत्र हुए लोगों के खिलाफ आंसू गैस के गोले दागे। अब तक, बीएनपी के 250 से अधिक राजनीतिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है, और सुरक्षाबलों की कार्रवाई के कारण दर्जनों घायल हुए हैं।

पार्टी नेता अख्तर मेंगल ने प्रतिभागियों पर गोलाबारी और गोलीबारी करके शांतिपूर्ण मार्च को बाधित करने के उनके अपमानजनक प्रयास के लिए पाकिस्तानी अधिकारियों की आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर एक संदेश साझा किया।

मेंगल ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट किया, हम इस समय लकपास में हैं, जहां सभी प्रवेश द्वार कंटेनरों से बंद कर दिए गए हैं। क्वेटा से लंबे मार्च में भाग लेने वालों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उन पर भारी गोलाबारी की जा रही है। मेरे वरिष्ठ नेतृत्व पर भी सीधे गोलाबारी की जा रही है। हम मजबूत हैं, हम अपने उद्देश्य के प्रति दृढ़ हैं और सबसे बढ़कर, हम शांतिपूर्ण हैं। कोई भी बल, कोई भी दबाव, हमारे मनोबल को हिला नहीं सकता, न ही हमें हमारे मार्ग से विचलित कर सकता है। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा, हमारे शांतिपूर्ण लंबे मार्च को बाधित करने के एक चौंकाने वाले और शर्मनाक प्रयास में, पीर उमर, खुजदार के पास सड़क पर कीलें फेंकी गई हैं। यह कृत्य न केवल शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के जीवन को खतरे में डालता है, बल्कि हमारे आंदोलन को खामोश कराने की कोशिश करने वालों की हताशा और कायरता को भी दर्शाता है। उन्होंने कहा, कभी-कभी, लिए जा रहे निर्णय इतने बेतुके होते हैं कि कोई केवल हंस सकता है। यह बता दें - चाहे कितनी भी बाधाएं क्यों न हों, हमारा संकल्प अडिग है। हम गरिमा और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगे।

पाकिस्तानी सेना का ड्रोन हमला, आम नागरिक समेत 12 आतंकी ढेर

पेशावर, एजेंसी। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा देश के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक आतंकवादी ठिकाने पर किए गए ड्रोन हमलों में 12 आतंकवादी मारे गए जबकि कुछ नागरिकों की भी जान चली गई. प्रांतीय सरकार ने एक प्रेस नोट में कहा कि शनिवार सुबह आतंकवाद-रोधी अभियान के तहत मरदान जिले के कटलांग के सुदूर पहाड़ी क्षेत्र में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया गया.

इसने नागरिकों के हताहत होने की पुष्टि की. कहा कि पीड़ितों में महिलाएं और बच्चे भी हो सकते हैं. बाद में आधिकारिक रिपोर्टों ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान 12 आतंकवादी मारे गए. यह अभियान हथियारबंद आतंकवादियों द्वारा इस स्थान को छिपने के स्थान के रूप में इस्तेमाल करने के बारे में विश्वसनीय खुफिया जानकारी पर आधारित था.इसमें कहा गया कि अभियान में क्षेत्र में चल रही आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े कई महत्वपूर्ण ठिकानों को नष्ट कर दिया गया. रिपोर्ट में कहा गया है कि लक्ष्य क्षेत्र के आसपास महिलाओं और बच्चों सहित गैर-लड़ाकों की उपस्थिति की पुष्टि हुई है. इसके परिणामस्वरूप नागरिक हताहत हुए हैं. खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान नागरिकों की मौत अत्यंत निंदनीय और दुखद है.

आगे कहा गया कि नागरिकों के बीच घुसपैठ करने के लिए आतंकवादियों की जानबूझकर की गई रणनीति कई बार अनपेक्षित परिणाम पैदा करती है. सरकार ने कहा कि वह घायलों को चिकित्सा सहायता प्रदान कर रही है और पीड़ितों के परिवारों को राहत और मुआवजा उपलब्ध करा रही है. क्षेत्र में नागरिक उपस्थिति से जुड़ी परिस्थितियों की जांच के लिए उपाय किए जा रहे हैं.

साथ ही नागरिक सुरक्षा को बनाए रखते हुए खतरों को समाप्त करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं. खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री के सूचना सलाहकार बैरिस्टर मुहम्मद अली सैफ ने भी निर्दोष लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया तथा इसे आतंकवादियों द्वारा निशाना बनाए जाने के परिणामस्वरूप हुई दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया.

कहा गया कि ऐसे अभियानों में नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है. शनिवार देर रात प्रांतीय सरकार की ओर से जारी एक अन्य प्रेस नोट में कहा गया कि नागरिकों की मौत की गहन जांच की जाएगी.

अंतरिम राष्ट्रपति जुलानी ने 23 मंत्रियों को नियुक्त किया, एक ईसाई महिला भी शामिल

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद के तख्तापलट के 4 महीने बाद कार्यवाहक सरकार का गठन किया गया है। अंतरिम राष्ट्रपति अल जुलानी ने 23 मंत्रियों को सरकार में नियुक्त किया है। जुलानी शनिवार देर रात इसकी घोषणा की। मंत्रिमंडल में एक ईसाई महिला को भी शामिल किया गया है। खुफिया विभाग के चीफ अनस खत्ताब को देश को नया गृहमंत्री बनाया गया है। इसके अलावा भी कई नए चेहरे सरकार में शामिल किए गए हैं। सरकार में प्रधानमंत्री का पद नहीं रखा गया है। इसकी जगह राष्ट्रपति जुलानी एक महासचिव नियुक्त करेंगे। यह कार्यवाहक सरकार अगले पांच वर्षों तक सत्ता में रहेगी। इस दौरान एक स्थायी संविधान को अपनाया जाएगा और चुनाव कराए जाएंगे।

दिसंबर 2024 में बशर अल असद का तख्तापलट किया था। अंतरिम राष्ट्रपति अल जुलानी ने दिसंबर में पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद का तख्तापलट किया था। जुलानी के नेतृत्व वाले एचटीएस संगठन ने सरकार के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह शुरू किया था। कुछ दिनों में विद्रोहियों ने राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया था। इसके साथ ही असद खानदान की 54 पुरानी हुकूमत खत्म हो गई थी। तत्कालीन राष्ट्रपति बशर अल असद ने भागकर मॉस्को में शरण ली थी।

जुलानी को अहमद अल-शरा नाम से भी जाना जाता है। उसने साल 2000 में उन्होंने मेडिकल कॉलेज में दाखिला लिया। एक लिबरल इस्लाम वाले माहौल में पला-बढ़ा जुलानी जब कॉलेज पहुंचा तो उसका सामना कट्टर इस्लाम वाली विचारधारा रखने वाले लोगों से हुआ।

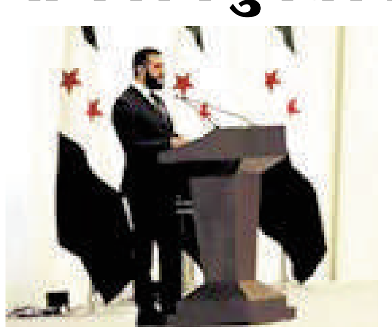

2003 में जब उसे लगा कि अमेरिका इराक पर हमला करने वाला है तो वह परेशान हो गया और मेडिकल की पढ़ाई छोड़कर जंग लड़ने चला गया। इराक पहुंचकर जुलानी, अल कायदा के संपर्क में आया। जून 2006 में उसे अमेरिकी सेना ने पकड़कर जेल भेज दिया था।

जेल में रहने के दौरान जुलानी, बगदादी से जुड़े लोगों के संपर्क में आया। 2011 में जेल रिहा होने के बाद उसने सीरिया में कई हमलों को अंजाम दिया। उसने 2012 में अल कायदा की सीरिया शाखा जबात अल-नुस्र का गठन किया।

2017 में जुलानी ने एक वीडियो जारी कर हयात तहरीर अल-शाम के गठन का ऐलान किया। उसने कहा कि उसके संगठन का किसी बाहरी देश या पार्टी से कोई संबंध नहीं है। उनका एकमात्र मकसद सीरिया को असद सरकार से आजाद कराना है। 2018 में अमेरिका ने एचटीएस को आतंकी संगठन घोषित कर दिया और अल-जुलानी पर 10 मिलियन डॉलर का इनाम भी रखा था। हालांकि तख्तापलट के बाद अमेरिका ने यह इनाम हटा लिया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 2016 में जब सीरिया का गृह युद्ध थमा तब से जुलानी अपनी लड़ाकों को मजबूत करने में जुट गया। चीन के उईगर मुसलमानों से लेकर अरब और सेंट्रल एशिया से लोगों की मदद से उसने अपनी फौज तैयार की।

उसने सही समय का इंतजार किया, जो इजराइल-हमास जंग और रूस-यूक्रेन जंग की वजह से आया। 2022 में यूक्रेन में जंग शुरू हो गई और रूस वहां व्यस्त हो गया। इसके चलते रूस ने अपने सैनिकों को सीरिया से निकाल लिया। फिर 2023 में इजराइल और हमास के बीच जंग शुरू हुई। नतीजा ये हुआ कि ईरान और हिजबुल्लाह जो सीरिया में असद की मदद कर रहे थे वे अब उन पर ध्यान नहीं दे पाए। हसन नसरल्लाह की मौत के बाद हिजबुल्लाह कमजोर हो गया।

कर्ज चुकाने के लिए आईपीओ से पैसे जुटाएगी गुजरात की कंपनी वीएमएस टीएटी

नई दिल्ली, एजेंसी। टीएमटी स्टील बार बनाने वाली गुजरात की कंपनी वीएमएस टीएटी ने आईपीओ के लिए सेबी के पास अपने ड्राफ्ट पेपर्स फिर से जमा किए हैं। इस आईपीओ से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने कर्ज को कम करने के लिए करेगी। अस्त्र बार्स मजबूत स्टील होते हैं, जिनका इस्तेमाल कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री में ज्यादा होता है। कंपनी के पास कामधेनु लिमिटेड के साथ एक रिटेल लाइसेंस एग्रीमेंट भी है, जिसके तहत वह गुजरात में कामधेनु ब्रांड के नाम पर अस्त्र बार्स बेच सकती है।

1.5 करोड़ नए शेयरों का इश्यू होगा– नीकंट्रोल की खबर के मुताबिक कंपनी ने 27 मार्च 2025 को ड्राफ्ट पेपर्स सेबी के पास जमा किए। इस ड्राफ्ट पेपर्स के मुताबिक, कंपनी का यह आईपीओ पूरी तरह से 1.5 करोड़ नए शेयरों का इश्यू होगा। इससे पहले, 27 सितंबर 2024 को कंपनी ने इसी साइज का आईपीओ प्लान किया था, लेकिन बाद में 23 अक्टूबर को उसने अपना आवेदन वापस ले लिया था।

115 करोड़ रुपये अपने कर्ज चुकाने पर खर्च करेगी– कंपनी अपने आईपीओ से मिले पैसे का क्या करने वाली है? इस सवाल का जवाब यह है कि गुजरात की यह कंपनी आईपीओ से मिलने वाले पैसे में से 115 करोड़ रुपये अपने कर्ज चुकाने पर खर्च करेगी, बाकी पैसे जनरल कॉर्पोरेट कामों के लिए इस्तेमाल होंगे। दिसंबर 2024 तक कंपनी पर कुल 160.2 करोड़ रुपये का कर्ज था।

प्रमोटर्स की 96.28 प्रतिशत हिस्सेदारी– वीएमएस टीएटी में प्रमोटर्स की 96.28 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि बाकी 3.72 प्रतिशत शेयर पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास हैं, जिनमें चाणक्य ऑपरच्युनिटीज फंड और कामधेनु शामिल हैं।

मार्च में सोना 4250 रुपये हुआ महंगा, चांदी की कीमतों में 7454 रुपये की उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। शादियों के सीजन से पहले मार्च में सोने-चांदी ने खूब उड़ान भरी। फरवरी में दोनों धातुओं के रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन के बाद मार्च में भी दोनों ने खूब गदर काटा। इस महीने सोना 4250 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ तो चांदी की कीमतों में 7454 रुपये प्रति किलो का उछाल आया। शुक्रवार 28 मार्च को सोना नए शिखर 89306 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच

गया और चांदी 100934 रुपये प्रति किलो के ऑल टाइम हाई को टच की। आज ईद की छुट्टी की वजह से आईबीजेए गोल्ड-सिल्वर के रेट जारी नहीं करेगा और एमसीएक्स भी बंद है। इस साल अब तक सोना 13566 रुपये और चांदी 14917 रुपये उछल चुकी है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक सोने का ग्लोबल प्राइस 3,100 डॉलर तक पहुंच सकता है। जबकि, भारत में 91,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचने की उम्मीद है। एमके ग्लोबल की रिया सिंह के मुताबिक, सोना अभी 2,975 से 3,035 के बीच ऊपर-नीचे हो सकता है, लेकिन अगर ट्रेड वॉर की आग भड़की तो 3,150 डॉलर तक छलांग लगा सकता है। भारत में रुपया कमजोर होगा तो घरेलू कीमतें और उछलेंगी।

चीन की तारीफ में छुपी है चेतावनी... अलग लेवल पर खेल रहा है ड्रैगन

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम के विश्लेषक सिद्धार्थ ओझा ने चीन की कूटनीति पर कई दिलचस्प बातें बताई हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी आपकी तारीफ करता है तो यह आपकी सफलता से ज्यादा उसकी रणनीति के बारे में बताता है। हाल ही में चीनी सरकार के समर्थन वाले ग्लोबल टाइम्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत-चीन संबंधों पर की गई टिप्पणी को व्यावहारिक नजरिया बताया था। ओझा ने इस तारीफ के पीछे छिपे चीन के इरादों को उजागर किया है। उन्होंने ल?िक?डइन पर बताया कि चीन की तारीफ में अक्सर एक चेतावनी छिपी होती है। ओझा के अनुसार, चीन की तारीफ के पीछे तीन मुख्य कारण हो सकते हैं। पहला, चीन मानता है कि जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) अब सीएनपी (समग्र राष्ट्रीय शक्ति) के युग में पुरानी हो चुकी है। दूसरा, चीन रणनीतिक चालों के जरिये तारीफ का इस्तेमाल हथियार के रूप में कर सकता है। तीसरा, चीन को अपनी श्रेष्ठता पर पूरा भरोसा है, जो कि अहंकार से भरा हुआ है और जल्द ही टूट सकता है।

एक्सपर्ट ने भारत को दी सतर्क रहने की सलाह

पीएम मोदी ने क्या कहा?

प्रधानमंत्री मोदी ने पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन के साथ बातचीत में भारत और चीन के बीच स्वस्थ और स्वाभाविक प्रतिस्पर्धा की बात की थी। उन्होंने 2020 के सीमा विवाद को स्वीकार करते हुए कहा था, राष्ट्रपति शी के साथ मेरी मुलाकात के बाद हमने सीमा पर सामान्य स्थिति देखी है। हम 2020 से पहले की स्थितियों को बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं।

ओझा ने लिखा, वैश्विक शक्ति के खेल में चीन की कूटनीतिक प्रशंसा अक्सर छिपाने से ज्यादा प्रकट करती है। उनका मानना है कि चीन का ध्यान अब डॉलर-आधारित जीडीपी की तुलना से हटकर नियंत्रण और शक्ति के गहरे स्तरों पर चला गया है। ओझा ने कहा, डॉलर में जीडीपी यह भोले लोगों के लिए एक भ्रम है। उन्होंने बताया कि चीन अब एक अलग ही स्तर पर खेल रहा है।

चीन का औद्योगिक पैमाना बहुत बड़ा

विश्व बैंक के आंकड़ों का हवाला देते हुए ओझा ने बताया कि 2020 में चीन की जीडीपी क य शक्ति समानता के मामले में 27.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई। यह अमेरिका के 21.4 ट्रिलियन डॉलर से काफी आगे है। इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि चीन तकनीकी संप्रभुता पर जोर दे रहा है. विश्व बौद्धिक संपदा संगठन के अनुसार, 2020 में चीन ने 15 लाख से अधिक पेटेंट आवेदन दाखिल किए, जो एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), क्वांटम कंप्यूटिंग और 5त्र जैसे इनोवेशन क्षेत्रों में अपना दबदबा बनाने की स्पष्ट मंशा दिखाता है।

सरकार ने अधिग्रहित किए वोडाफोन के 36,950 करोड़ रुपये के नए शेयर, हिस्सेदारी बढ़कर होगी 48.99 प्रतिशत

नई दिल्ली, एजेंसी। वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने रविवार को नियामक फाइलिंग को बताया कि सरकार ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 48.99 प्रतिशत करने पर सहमति जताई है। यह कदम बकाया स्पेक्ट्रम नीलामी देनदारियों के एवज उठाया गया है। इसके तहत सरकार वोडाफोन के 36,950 करोड़ रुपये मूल्य के नए शेयर अधिग्रहण करेगी। वर्तमान में कर्ज से जूझ रही वोडाफोन आइडिया में सरकार की 22.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस नए अधिग्रहण के बाद वह कंपनी की सबसे बड़ी शेयरधारक बनी गई है। वोडाफोन आइडिया अब अगले 30 दिनों में 3,6950 करोड़ नए शेयर जारी करेगी। इनकी फेस वैल्यू 10 रुपये प्रति शेयर होगी। दूरसंचार मंत्रालय ने सितंबर 2021 में घोषित दूरसंचार क्षेत्र के सुधार और समर्थन पैकेज के तहत बकाया स्पेक्ट्रम नीलामी देनदारियों (जिसमें स्थगित भुगतान भी शामिल हैं) को इक्विटी में बदलने का निर्णय लिया है। इस प्रक्रिया में कुल 36,950 करोड़ रुपये को इक्विटी शेयरों में परिवर्तित किया जाएगा। दूरसंचार मंत्रालय ने 29 मार्च को इस संबंध में आदेश जारी किया था। जिसके तहत ये शेयर सरकार को स्थानातंरित किए जाएंगे। वोडाफोन आइडिया ने बताया कि उसे 10 रुपये प्रति शेयर के मूल्य पर कुल 3,695 करोड़ इक्विटी शेयर जारी करने का निर्देश दिया गया है। यह आदेश संबंधित प्राधिकरणों, जिसमें भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) भी शामिल है। कंपनी ने कहा, इस इक्विटी शेयर के जारी होने के बाद सरकार की हिस्सेदारी 22.60 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 48.99 प्रतिशत हो जाएगी। हालांकि, प्रमोटर्स कंपनी का परिचालन नियंत्रण बनाए रखेंगे।

आरबीआई अप्रैल में फिर कर सकता है रेट कट

ब्याज दरें घटकर 6 प्रतिशत होंगी: बैंक ऑफ अमेरिका

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंक ऑफ अमेरिका ग्लोबल रिसर्च के मुताबिक, आरबीआई अप्रैल में होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक में एक बार फिर रेपो रेट में कटौती कर सकता है। बैंक ऑफ अमेरिका का अनुमान है कि आरबीआई रेपो रेट में 25 आधार अंक (0.25 प्रतिशत) की कटौती कर इसे 6 प्रतिशत तक ला सकता है। इसकी वजह है मुद्रास्फीति (इन्फ्लेशन) का अगले कुछ महीनों तक 4 प्रतिशत से नीचे बने रहने का अनुमान और रुपये पर दबाव में कमी।

क्यों और कितनी होगी रेट कट– बोफा का कहना है कि इन्फ्लेशन कंट्रोल में है और ग्रोथ धीमी है, जिससे आरबीआई के पास रेट कम करने की गुंजाइश बन रही है। हालांकि, 2 अप्रैल से लागू होने वाले आयात शुल्क (टैरिफ) से थोड़ी अनिश्चितता हो सकती है, लेकिन इसका एमपीसी के फैसले पर बड़ा असर नहीं होगा।

बोफा को उम्मीद है कि 2025 के अंत तक रेपो रेट 5.5 प्रतिशत तक आ सकता है, यानी इस साल कुल 1 प्रतिशत (100 आधार अंक) की कटौती होगी।

ग्रोथ और इन्फ्लेशन के अनुमान में संशोधन– आरबीआई ने अगले वित्तीय वर्ष के लिए जीडीपी ग्रोथ 6.7 प्रतिशत का अनुमान लगाया है, लेकिन बोफा इसे थोड़ा ऊंचा मानता है और 6.5 प्रतिशत की संभावना जताता है।

इन्फ्लेशन के मामले में आरबीआई का त्त4 एफवाय25 का लक्ष्य 4.4 प्रतिशत है, लेकिन बोफा का मानना है कि यह 3.8-4 प्रतिशत के बीच रह सकता है। तेल की कीमतों में गिरावट, रुपये की स्थिरता और कमजोर मांग की वजह से एफवाय26 में भी इन्फ्लेशन 4 प्रतिशत के आसपास रह सकता है।

आरबीआई लिक्विडिटी भी बढ़ाएगा– आरबीआई पहले ही दिसंबर से बैंकिंग सिस्टम में 5 लाख करोड़ रुपये की लिक्विडिटी डाल चुका है। आगे भी कर्ज की उपलब्धता बढ़ाने के लिए आरबीआई और कदम उठा सकता है।

ग्रोथ को सपोर्ट, इन्फ्लेशन पर नजर– बोफा का मानना है कि आरबीआई ग्रोथ को बढ़ावा देने पर फोकस करेगा, लेकिन इन्फ्लेशन को 2-6 प्रतिशत के टारगेट रेंज में ही रखेगा। गर्मियों में हीटवेव से खाद्य महंगाई बढ़ने का थोड़ा रिस्क है, लेकिन अच्छी फसल उत्पादन से यह दबाव कम हो सकता है।

ट्रंप का टैरिफ खोलेगा ऑटो पार्ट्स बनाने वाली भारतीय कंपनियों की राह

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका ने विदेशों में बनी गाड़ियों और ऑटो पार्ट्स पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। मोटर इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ यूएसए के अनुसार, ऑटोमोबाइल पर टैरिफ 3 अप्रैल से लागू होंगे जबकि ऑटो पार्ट्स पर टैरिफ 3 मई 2025 से पहले लागू होंगे। जानकारों का कहना है कि भारत पर शायद ही इसका कोई बुरा असर होगा। ऑटो इंडस्ट्री में 20 साल का अनुभव रखने वाले सुंदरम श्रीनिवासन का कहना है कि ट्रंप का टैरिफ भारतीय ऑटो पार्ट्स कंपनियों के लिए वरदान साबित हो सकती है। टाइम्स ऑफ इंडिया में एक लेख में उन्होंने कहा कि ट्रंप के टैरिफ का भारत पर ज्यादा असर होने की आशंका नहीं है। लेकिन यह अमेरिका को पार्ट्स के बड़े निर्यातकों कनाडा, मैक्सिको, चीन और अन्य के लिए नुकसानदायक हो सकता है। भारत का अमेरिका को ऑटो एक्सपोर्ट लगभग 10 मिलियन डॉलर है। यह जापान के अमेरिका को होने वाले ऑटोमोबाइल निर्यात के मुकाबले बहुत कम है। ऑटोमोबाइल पार्ट्स के

मामले में भारत एक मजबूत दावेदार है। भारत अमेरिका को 2.2 अरब डॉलर का निर्यात करता है। यह भारत के कुल ऑटोमोबाइल कंपोनेंट निर्यात का लगभग 30 प्रतिशत है। लेकिन अगर इसे सही संदर्भ में देखें, तो यह अमेरिका के कुल ऑटोमोबाइल पार्ट्स आयात का 3 प्रतिशत से भी कम है। डोनाल्ड ट्रंप का निशाना यह नहीं है। लेकिन यह अमेरिका को पार्ट्स के बड़े निर्यातकों कनाडा, मैक्सिको और चीन जैसे देशों के लिए एक साइड इफेक्ट हो सकता है।

किन देशों को होगा नुकसान

भारत में ऑटो पार्ट्स कंपनियों को इस बात का डर नहीं है कि वे ट्रंप टैरिफ के कारण उनके उत्पाद प्रतिस्पर्धियों से महंगे हो जाएंगे। उन्हें इस बात का डर है कि आयातक लागत का कम से कम कुछ हिस्सा खुद वहन करने का दबाव डालेंगे। इससे उनका मुनाफा काफी कम हो जाएगा।

नगदी बढ़ाने के लिए इंडसइंड बैंक ने उठाया है बड़ा कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडसइंड बैंक ने कई साझेदार बैंकों के साथ बड़ी डील की है। रिपोर्ट के अनुसार बैंक ने बड़े कॉरपोरेट लोन को ट्रांसफर किया है। इंडसइंड बैंक का प्रयास है कि नगदी को बढ़ाया जाए। चल रही जांच के कारण बैंक की कुल संपत्ति में 2000 करोड़ रुपये की कमी आ सकती है। इकनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार आईसीआईसीआई बैंक और फेडरल बैंक ने उच्च श्रेणी के लोन को 7.5 प्रतिशत से 8 प्रतिशत ब्याज के बदले बैंक को नगदी प्रदान की है। यह ट्रांसफर इंटर बैंक पार्टिसिपेशन सर्टिफिकेट के नियमों के तहत किया गया है। मामले की जानकारी रखने वाले व्यक्ति के अनुसार बैंक पिछले 10 दिनों से यह डील करने के लिए प्रसायरत है। बता दें, इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों का मानना है कि यह ट्रांसफर किया गया लोन 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का है। हालांकि, इस प्रकरण पर ना ही इंडसइंड बैंक ने कोई जानकारी दी है। ना ही आईसीआईसीआई बैंक और फेडरल बैंक की तरफ से कोई बयान आया है। आईबीपीसी एक ट्रेडिशनल मार्केट है। जिसके जरिए बैंक कुछ समय के लिए लोन लेते और देते हैं। इस तरह की डील 6 महीने के लिए अमूमन की जाती है। लोन के ट्रांसफर होने का मतलब हुआ कि कुछ समय के लिए बैंक के एसेट बुक में वह नहीं दिखेगा। मान लीजिए अगर इंडसइंड बैंक ने 1000 करोड़ रुपये लोन ट्रांसफर किया है। तो उसके बदले उसे 400 करोड़ रुपये नगदी के मिलेंगे। जिससे वो ब्याज का भुगतान कर पाएंगे।

शेयर बाजार में बैंक की सेहत अच्छी नहीं है– शुक्रवार को कंपनी के शेयर 3.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 649.55 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

सीएनजी और पाइप्ड गैस की कीमतों में नरमी की उम्मीद, नियामक ने पाइपलाइन शुल्क बदलने का रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल व गैस नियामक पीएनजीआरबी ने नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए उपभोक्ताओं तक गैस पहुंचाने वाली पाइपलाइनों के लिए शुल्क निर्धारण की नई नीति का प्रस्ताव रखा है। अगर यह प्रस्ताव अमल में आता है तो इससे सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में नरमी दिख सकती है। नियामक ने घरों में सीएनजी और पाइप के जरिए रसोई गैस बेचने वाली शहरी गैस इकाइयों से न्यूनतम दर पर शुल्क वसूलने का प्रस्ताव दिया है। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने प्राकृतिक गैस को इसके उत्पादन वाले क्षेत्रों से या आयात बंदरगाहों से ले जाने वाली पाइपलाइनों पर लगाए गए क्षेत्रीय शुल्कों में परिवर्तन के लिए एक सार्वजनिक परामर्श दस्तावेज जारी किया है। यह बदलाव उन संयंत्रों के लिए किया गया है जो इससे बिजली बनाते हैं। इसके अलावे इसका असर उन उर्वरक इकाइयों पर पड़ेगा जो इससे यूरिया बनाती हैं। इसके

अलावे इससे वे शहरी गैस इकाइयां भी इससे प्रभावित होंगे जो इसे ऑटोमोबाइल को बेचने के लिए सीएनजी में बदल देती हैं और खाना पकाने के लिए इसे घरेलू रसोई तक पहुंचाती हैं। नियामक ने कहा, निवेश लाने और देश में विशेष रूप से सीएनजी और घरेलू पाइप्ड प्राकृतिक गैस (खाना पकाने के लिए घरेलू रसोई में इस्तेमाल होने वाली) में गैस की खपत बढ़ाने के लिए एक और दूरगामी सुधार में, पीएनजीआरबी घरेलू उपभोक्ताओं और परिवहन में इस्तेमाल होने वाली पाइप्ड प्राकृतिक गैस की कीमत कम करने का प्रस्ताव लेकर आया है। टैरिफ विनियमन के विभिन्न पहलुओं पर हितधारकों से टिप्पणियां प्राप्त करने के लिए एक सार्वजनिक परामर्श दस्तावेज (पीसीडी) वेबहोस्ट किया गया है।

99 प्रतिशत लुढ़क गया था अनिल अंबानी का शेयर

अब 2300 प्रतिशत से ज्यादा की आई तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में जोरदार तेजी आई है। 99 पर्सेंट से ज्यादा लुढ़कने के बाद कंपनी के शेयर पिछले पांच साल में 2300 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर इस अवधि में 10 रुपये से बढ़कर 250 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। पिछले एक महीने में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में करीब 22 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 350.90 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 143.70 रुपये है।

1 लाख रुपये के बना दिए 24 लाख रुपये– अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 20 मार्च 2020 को 10.50 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 28 मार्च 2025 को 258.55 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले पांच साल में कंपनी के शेयरों में 2362 पर्सेंट की तेजी आई है। अगर किसी व्यक्ति ने 20 मार्च 2020 को रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो 1 लाख रुपये से खरीदे गए शेयरों की मौजूदा वैल्यू 24.62 लाख रुपये होती। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर का मार्केट कैप भी 10,200 करोड़ रुपये को पार कर गया है।

99 प्रतिशत से ज्यादा टूट गए थे रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर– रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में पिछले सालों में तेज गिरावट आई। अनिल अंबानी की कंपनी के शेयर 11 जनवरी 2008 को 2486.05 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 99 पर्सेंट से ज्यादा टूटकर 20 मार्च 2020 को 10.50 रुपये पर जा पहुंचे। हालांकि, इस लेवल तक गिरने के बाद कंपनी के शेयरों में अच्छी रिकवरी देखने को मिली है।

चार साल में 577 प्रतिशत चढ़े हैं रिलायंस इंफ्रा के शेयर

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर पिछले चार साल में 577 पर्सेंट उछल गए हैं। अनिल अंबानी की इस कंपनी के शेयर 1 अप्रैल 2021 को 38.15 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 28 मार्च 2025 को 258.55 रुपये पर बंद हुए हैं। वहीं, पिछले तीन साल में कंपनी के शेयरों में 110 पर्सेंट का उछाल देखने को मिला है। दो साल में कंपनी के शेयर करीब 80 पर्सेंट उछल गए हैं।

24वीं बार कंपनी दे रही है डिविडेंड, रिकॉर्ड डेट 2 अप्रैल को, हर शेयर पर 25 रुपये का फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। इस साल कई कंपनियां एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी। इन कंपनियों की लिस्ट में एडीसी इंडिया कम्युनिकेशंस लिमिटेड भी शामिल है। कंपनी की तरफ से एक शेयर पर 25 रुपये का अंतरिम डिविडेंड योग्य निवेशकों को दिया जाना है।

हर शेयर पर 25 रुपये का फायदा– एक्सचेंज को दी जानकारी म ेंएडीसी इंडिया कम्युनिकेशंस लिमिटेड ने कहा है कि हर एक शेयर पर 25 रुपये का डिविडेंड योग्य निवेशकों को दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 2 अप्रैल की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। अगर आपको डिविडेंड का लाभ लेना है तो कल यानी 1 अप्रैल को कंपनी के शेयर खरीद लेने होंगे। बीएसई के डाटा के अनुसार कंपनी के शेयर इससे पहले 23 बार एक्स-डिविडेंड ट्रेड कर चुके हैं। एडीसी इंडिया कम्युनिकेशंस लिमिटेड ने पहली बार अपने निवेशकों को 30 मार्च 2001 को डिविडेंड दिया था। आखिरी बार 2 अगस्त को कंपनी एक्स-डिविडेंड ट्रेड की थी। तब योग्य निवेशकों को हर शेयर पर 5 रुपये का डिविडेंड और 25 रुपये का स्पेशल डिविडेंड दिया गया था।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन कैसा है?

शुक्रवार को कंपनी के शेयरों का भाव 1.47 प्रतिशत की तेजी के साथ बीएसई में 1386.20 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। पिछले एक हफ्ते में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 18 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, एक महीने में इस स्टॉक ने पोजीशनल निवेशकों को 45 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बीच में कई महीने ऐसे आए जब निवेशकों को भारी बिकवाली का दौर देखने को मिला है। वहीं, एक साल में इस कंपनी के शेयरों की कीमतों में 56 प्रतिशत की तेजी आई है।

लखनऊ के खिलाफ नये आत्मविश्वास के साथ उतरेंगे मुंबई इंडियंस

आईपीएल

- **लखनऊ ने आईपीएल में मुंबई के खिलाफ अपने छह मुकाबलों में से पांच में जीत हासिल करते हुए बढ़त हासिल की**

लखनऊ, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स पर शानदार जीत के बाद मुंबई इंडियंस शुक्रवार को आत्मविश्वास और जोश के साथ लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ आईपीएल 2025 के 16वें मैच में उतरेगी।

मुंबई के गेंदबाजों ने केकेआर को सिर्फ 116 रनों पर ढेर कर दिया था जिसके बाद रेयान रिकेल्टन के नाबाद 62 रनों के साथ-साथ सूर्यकुमार यादव के नौ गेंदों पर 27 रनों की धमाकेदार पारी से आसान लक्ष्य हासिल कर लिया था। उस मैच में नए खिलाड़ी अश्विनी कुमार ने चार विकेट लेकर प्रभावित किया जबकि दीपक चाहर और ट्रेंट बोल्ट पावरप्ले में प्रभावी रहे। इसके अलावा पिछले आमने-सामने के रिकॉर्ड के बावजूद, मुंबई इंडियंस एलएसजी को चुनौती देने के लिए अच्छी स्थिति में है।

लखनऊ ने आईपीएल में मुंबई के खिलाफ अपने छह मुकाबलों में से पांच में जीत हासिल करते हुए बढ़त हासिल की है। हालांकि, कोलकाता पर मुंबई इंडियंस की हालिया जीत से एलएसजी को संभल कर रहना होगा। निकोलस पूरन ने अब तक एलएसजी की ओर से बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने पिछले तीन मैचों में 220 के स्ट्राइक रेट से 189 रन बनाए हैं। इस मैच में भी हर एक की निगाहें उनके प्रदर्शन पर होंगी।

एलएसजी अपने पिछले घरेलू मैच में पंजाब किंग्स से आठ विकेट से मिली करारी हार से उबरना चाहेगी। मिचेल मार्श और पूरन ने बल्लेबाजी का बहुत भार उठाया है, और उनकी विफलता अक्सर टीम की कमज़ोरी को उजागर करती है। कप्तान ऋषभ पंत की खराब फॉर्म चिंता का विषय बनी हुई है, जबकि आयुष बदोनी और अब्दुल समद ने निचले क्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है।

गेंदबाजी विभाग में शार्दुल ठाकुर ने तीन मैचों में छह विकेट लिए हैं, लेकिन वे महंगे साबित हुए हैं और 10.22 की इकॉनमी रेट से रन दिए हैं। आकाश दीप की वापसी से आक्रमण को मजबूती मिलने की उम्मीद है, जबकि लेग स्पिनर रवि बिश्नोई अपने अब तक के निराशाजनक प्रदर्शन को बेहतर करने के लिए उत्सुक होंगे। चहर और बोल्ट की अगुआई में मुंबई का गेंदबाजी आक्रमण पावरप्ले में प्रभावी रहा है। डेब्यूटेंट अश्विनी ने पिछले गेम में चार विकेट लेकर प्रभावित किया और वे फिर से अहम भूमिका निभा सकते हैं। बीच के ओवरों में मिशेल सेंटनर का अनुभव महत्वपूर्ण होगा, जबकि युवा तेज गेंदबाज विग्नेश पुथुर को सफलता के लिए बुलाया जा सकता है।

भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना स्टेडियम की पिच संतुलित होने की उम्मीद है, जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को मदद करेगी। दूसरी पारी में ओस के कारण लक्ष्य का पीछा करना बेहतर विकल्प हो सकता है। आईपीएल के इतिहास में इस स्थान पर जीत के लिये सबसे बड़ा सफल लक्ष्य का तीन विकेट पर 199 रन है, जिसे पिछले सीजन में राजस्थान रॉयल्स ने एलएसजी के खिलाफ हासिल किया था। कुल मिला कर दोनों टीमें निरंतरता की तलाश में हैं, इसलिए मुकाबला रोमांचक होने वाला है। एलएसजी ने पहले एमआई पर दबदबा बनाया है, लेकिन मेहमान टीम की हालिया वापसी उन्हें मैच में थोड़ा पसंदीदा बनाती है।

बुमराह की वापसी को लेकर संशय बरकरार

मुंबई, एजेंसी। भारतीय टीम इंडिया के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की खेल में वापसी को लेकर संशय बना हुआ है। बुमराह चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही टीम से बाहर हैं। इसी कारण वह चैम्पियंस ट्रॉफी भी नहीं खेल पाये। अब उनके इंग्लैंड के खिलाफ जून में होने वाली टेस्ट सीरीज से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की संभावनाएं हैं। फिट नहीं होने के कारण ही वह आईपीएल से भी बाहर हैं। उनके अप्रैल के पहले सप्ताह तक पूरी तरह ठीक होने की उम्मीद थी पर अब इसकी संभावना नहीं हैं। ऐसे में उनके प्रशंसकों को अभी और इंतजार करना पड़ सकता है क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम उनकी वापसी को लेकर किसी प्रकार की जल्दबाजी नहीं करना चाहती। मेडिकल टीम नहीं चाहती कि मैदान पर वापसी के बाद उनके फिर चोटिल होने का खतरा हो। वहीं सकारात्मक बात ये है कि बुमराह ने नेट पर गेंदबाजी शुरू कर दी है पर अभी वह पूरी ताकत और क्षमता से गेंद नहीं फेंक रहे हैं। सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी निगरानी कर रही है। टीम उनकी क्रिकेट के मैदान पर वापसी को लेकर किसी भी तरह की जल्दबाजी के पक्ष में नहीं है क्योंकि इसमें जोखिम हो सकता है। इससे वह स्ट्रेस फ्रैक्टर का शिकार हो सकते हैं। मेडिकल टीम का मानना है कि बुमराह को 100 प्रतिशत फिट होने पर ही वापसी करनी चाहिये। वहीं एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार बुमराह की चोट थोड़ी ज्यादा गंभीर है। मेडिकल टीम ये पक्का करना चाहती है कि वह फिर स्ट्रेस फैक्चर का शिकार न हों। बुमराह स्वयं भी इस मामले में सावधानी रख रहे हैं।

संक्षिप्त

इगा स्वियातेक ने बिली जीन किंग कप टूर्नामेंट से नाम वापस लिया

मियामी, एजेंसी। दुनिया की नंबर दो टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने आगामी बिली जीन किंग कप क्वालिफाइंग टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। 23 वर्षीय स्वियातेक ने कहा कि उन्हें अपने करियर और स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अधिक समय चाहिए, जिसके चलते वह 10-12 अप्रैल को पोलैंड के रादोम शहर में स्विट्जरलैंड और यूक्रेन के खिलाफ राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेलेंगी। स्वियातेक ने कहा, मुझे पता है कि यह जानकारी प्रशंसकों, विशेष रूप से पोलिश प्रशंसकों, के लिए निराशाजनक हो सकती है, लेकिन फिलहाल यह मेरे लिए सही निर्णय है। उन्होंने आगे कहा,मैं हमेशा गर्व के साथ अपने देश का प्रतिनिधित्व करती हूं। मैंने पिछले साल देश के लिए सभी प्रमुख टूर्नामेंट खेले थे। मुझे बीजेकेसी सेमीफाइनल और यूनाइटेड कप फाइनल में टीम की ऐतिहासिक सफलता पर गर्व है। अब मेरे लिए संतुलन बनाए रखने, खुद पर ध्यान देने और अपने प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने का समय है। मैं अपनी टीम और सभी खिलाड़ियों के लिए शुभकामनाएं देती हूं। पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक हाल ही में मियामी ओपन के क्वार्टर फाइनल में 19 वर्षीय फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला से हार गई थीं। स्वियातेक ने यह मुकाबला अतिरिक्त सुरक्षा के बीच खेला, क्योंकि एक अभ्यास सत्र के दौरान एक दर्शक ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया था।

साल्ट का कैच छोड़ने के बाद अच्छी पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध था: बटलर

बेंगलुरु, एजेंसी। गुजरात टाइटंस के सीनियर बल्लेबाज जोस बटलर ने स्वीकार किया कि यहां खेले गए आईपीएल मैच के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट का कैच छोड़ने के बाद वह शर्मिंदा महसूस कर रहे थे लेकिन इसकी भरपाई बल्लेबाजी से करने को लेकर प्रतिबद्ध थे। बटलर ने 39 गेंद पर नाबाद 73 रन बनाए जिससे गुजरात की टीम ने यह मैच आठ विकेट से जीता। इंग्लैंड के धाकड़ बल्लेबाज बटलर ने मैच के बाद कहा, ''मैं नहीं जानता कि ऐसा कैसे हुआ लेकिन मैं शर्मिंदा महसूस कर रहा था। हम सभी जानते हैं कि साल्ट कितना खतरनाक खिलाड़ी है। इसलिए मैं इसकी भरपाई बल्लेबाजी में करने को लेकर प्रतिबद्ध था।'' बटलर ने आरसीबी के पहले ओवर में ही मोहम्मद सिराज की गेंद पर साल्ट का कैच छोड़ दिया था। बटलर ने बाद में स्वीकार किया कि उनकी टीम का क्षेत्ररक्षण अच्छा नहीं था। उन्होंने कहा, ''एक टीम के रूप में पर हमारी फील्डिंग अच्छी नहीं थी। अगर हमने अच्छी फील्डिंग की होती तो हमें छोटे लक्ष्य का पीछा करना पड़ता। यह अच्छा है कि हम जीत हासिल करने में सफल रहे। हमारे गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया।''

बार्सिलोना और रियाल मैड्रिड में होगा खिताबी मुकाबला

मैड्रिड, एजेंसी। बार्सिलोना ने बुधवार को यहां एटलेटिको मैड्रिड को सेमीफाइनल के दूसरे चरण में 1-0 से हराकर कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया जहां उसका सामना अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रियाल मैड्रिड से होगा। बार्सिलोना की तरफ से फेरान टोरेस ने पहले हाफ में गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इससे पहले इन दोनों टीमों के बीच फरवरी में खेला गया सेमीफाइनल का पहला चरण 4-4 से बराबर रहा था। इस तरह से बार्सिलोना ने कुल मिलाकर 5-4 से जीत दर्ज करके फाइनल में जगह बनाई। यह पिछले चार सत्र में पहला अवसर है जबकि बार्सिलोना इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है। रियाल मैड्रिड ने मंगलवार को अतिरिक्त समय तक चले मैच में रियाल सोसिदाद को 5-4 के कुल स्कोर से पराजित करके फाइनल में जगह बनाई थी। इन दोनों टीमों के बीच 2013-14 सत्र के बाद पहली बार फाइनल खेला जाएगा। तब रियाल मैड्रिड ने खिताब जीता था।

यशस्वी ने बताया मुंबई छोड़कर गोवा जाने का कारण

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अब घरेलू सत्र में मुंबई की जगह गोवा से खेलते हुए नजर आयेंगे। यशस्वी के अचानक ही गोवा का रुख करने से सभी हैरान है पर अब इसका कारण सामने आया है। यशस्वी ने कहा कि ये फैसला काफी कठिन था पर कप्तानी का प्रस्ताव मिलने के कारण उन्होंने ये फैसला किया है पर इसके बाद भी वह हमेशा मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के आभारी रहेंगे। वहीं इससे पहले यशस्वी ने आगामी घरेलू सत्र में गोवा का प्रतिनिधित्व करने के लिए एमसीए से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मांगा था। यशस्वी ने कहा कि उन्होंने शुरुआत से ही मुंबई की ओर से खेला था इसलिए ये फैसला करना उनके लिए कठिन था। साथ ही कहा कि मैं आज जो कुछ भी हूं, वह मुंबई की वजह से हूं। इस शहर ने ही मुझे यहां तक पहुंचाया है। इसलिए में हमेशा ही एमसीए का आभारती रहूंगा हालांकि गोवा ने मुझे एक नया अवसर दिया है और जिसमें मुझे कप्तानी का अवसर मिला है। मेरा पहला लक्ष्य भारतीय टीम की ओर से अच्छा प्रदर्शन करना होगा और जब भी मैं राष्ट्रीय टीम में नहीं रहूंगा, मैं गोवा के लिए खेलूंगा और उन्हें टूर्नामेंट में आगे ले जाने की कोशिश करूंगा।

स्टोक्स के चोटिल होने से इंग्लैंड टीम को लगा झटका

झटका

- **स्टोक्स हैमस्ट्रिंग की इस चोट के कारण डरहम के काउंटी चैंपियनशिप से बाहर हो गए**

लंदन, एजेंसी। इंग्लैड टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स चोटिल हो गये है। इससे इंग्लैड की टीम को करारा झटका लगा है क्योंकि उसे भारत के खिलाफ जून में टेस्ट सीरीज खेलनी है जिसके लिए उसे तैयारी करनी है। स्टोक्स हैमस्ट्रिंग की इस चोट के कारण डरहम के काउंटी चैंपियनशिप से बाहर हो गए है। वह हालांकि हैमस्ट्रिंग सर्जरी से उबर रहे हैं। मुख्य कोच रयान कैंपबेल को हालांकि भरोसा है कि वह भारतीय टीम के दौरे तक उबर जाएंगे। स्टोक्स छह महीने में दूसरी बार हैमस्ट्रिंग से जूझ रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड में इंग्लैंड के अंतिम टेस्ट के दौरान भी वह चोटिल हो गए थे, तब से लेकर स्टोक्स ने कोई मैच नहीं खेला है। एक रिपोर्ट के अनुसार स्टोक्स शुक्रवार से शुरू हो रही काउंटी चैंपियनशिप में नहीं खेल पायेंगे। उनके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद डरहम और इंग्लैंड के उनके साथी खिलाड़ी ब्रायडन कार्से भी नहीं खेलेंगे। वह भी पैर की अंगुली की चोट से उबर रहे हैं जिसके कारण वह भी पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए थे। मुख्य कोच ने कहा, 'वे फिलहाल गंभीर चोटों से उबर रहे हैं। हालांकि उन्हें टेस्ट मैचों के शुरू होने से पहले अपने आप को फिट रखना होगा। इंग्लैंड को 22 मई को ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरू होगा, उसके बाद भारत के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज होगी। ऑस्ट्रेलिया के एशेज दौरे के देखते हुए स्टोक्स आठ महीनों में 11 टेस्ट को खेलने के लिए अपनी वापसी को जरुरी मानते हैं। ऑलराउंडर स्टोक्स ने डरहम में अपनी रिकवरी जारी रखते हुए फिर से प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। दस दिन पहले ही उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट को साझा किया था जिसमें वह नेट् अभ्यास में गेंदबाजी करते दिख रहे थे।

लिवरपूल ने एवर्टन को हराया, प्रीमियर लीग में 12 अंकों की बढ़त बरकरार

लंदन, एजेंसी। डियोगो जोटा के 57वें मिनट में किए गए गोल की बदौलत लिवरपूल ने बुधवार को मर्सीसाइड डर्बी में एवर्टन को 1-0 से हराकर प्रीमियर लीग में अपनी 12 अंकों की बढ़त बरकरार रखी। लुइस डियाज़ के बैक-हील पास पर जोटा के गोल ने अरने स्लॉट की टीम को जीत दिलाई और अब टीम को खिताब पक्का करने के लिए अगले आठ मुकाबलों में सिर्फ 13 अंकों की जरूरत है। दूसरी ओर, मैनचेस्टर सिटी ने घर में संघर्षरत लीसेस्टर सिटी के खिलाफ दमदार शुरुआत की। जैक ग्रीलिश ने मैच के सिर्फ दूसरे मिनट में साविन्हो के असिस्ट पर गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। ओमर मरमौश ने हाफ टाइम से पहले स्कोर 2-0 कर दिया, जिससे यह साबित हुआ कि टीम को एर्लिंग हालांड की गैरमौजूदगी में भी कोई परेशानी नहीं हो रही। न्यूकैसल यूनाइटेड ने घरेलू मैदान पर ब्रेंटफोर्ड को 2-1 से हराकर उसकी लगातार पांचवें अवे मैच जीतने की उम्मीदों को तोड़ दिया। न्यूकैसल के लिए अलेक्जेंडर इसाक और सैंड्रो टोनाली ने गोल किए। मार्कस रैशफोर्ड और मार्को असेंसियो के दूसरे हाफ में किए गए गोलों ने एस्टन विला की यूरोप में वापसी की उम्मीदें मजबूत कर दीं। ब्राइटन के खिलाफ 3-0 की इस जीत में डोनीएल मालेन ने इंजुरी टाइम में गोल कर ब्राइटन की मुश्किलें और बढ़ा दीं, जो पहले ही एफए कप से बाहर हो चुका है। इप्सविच टाउन ने बोरनमाउथ को चौंकाते हुए 34वें मिनट में नाथन ब्रॉडहेड और 60वें मिनट में लियाम डेलाप के गोलों से 2-1 से हराया।

सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप में नया प्रारूप होगा आकर्षण का केंद्र

झांसी, एजेंसी। यहां चार से 15 अप्रैल तक होने वाली 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप में तीन डिवीजन में 30 टीम हिस्सा लेंगी, जिसमें नया प्रारूप आकर्षण का केंद्र होगा।

यह पहली बार होगा जब मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में आयोजित किया जाने वाला पुरुष टूर्नामेंट तीन डिवीजन के नए प्रारूप में खेला जाएगा। सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप मार्च में इसी तरह के नए प्रारूप में खेली गई थी।

इस घरेलू प्रतियोगिता में पहली बार प्रमोशन (शीर्ष डिवीजन में जगह बनाना) और रेलीगेशन (निचले डिवीजन में खिसकना) का प्रावधान है। यही कारण है की टीमों को तीन डिविजन ए, बी और सी में विभाजित किया गया है।

डिवीजन ए शीर्ष स्तर का डिवीजन होगा क्योंकि इसमें टीमें चैंपियनशिप खिताब के लिए अपना दावा पेश करेंगी। डिवीज़न बी में टीमें अगले सत्र में डिवीज़न ए में जगह बनाने के लिए, जबकि डिवीज़न सी में टीमें अगली प्रतियोगिता के लिए डिवीज़न बी में जगह हासिल करने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

डिवीजन बी और सी के मैच चार अप्रैल से जबकि डिवीजन ए के मैच आठ अप्रैल से शुरू होंगे।

पिछले कुछ वर्षों में टूर्नामेंट में उनके समग्र प्रदर्शन के आधार पर, डिवीजन ए में भारत की शीर्ष -12 टीमें हैं, जिनमें गत चैंपियन ओडिशा और उपविजेता हरियाणा शामिल हैं।

डिवीजन ए में अन्य टीमें पंजाब, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, बंगाल, हॉकी, कर्नाटक और पुडुचेरी हैं। इन टीमों को चार पूल में बांटा गया है।

प्रत्येक टीम अपने-अपने पूल में प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी से एक बार खेलेगी। यह एकमात्र डिवीजन होगा जिसमें नॉकआउट चरण होगा। प्रत्येक पूल से शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें 12 अप्रैल को होने वाले क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी।

सेमीफ़ाइनल 13 अप्रैल को जबकि फाइनल और तीसरे तथा

शुरुआत में अधिक विकेट गंवाने का नुकसान हुआः पाटीदार

बेंगलुरू, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने इंडियन प्रीमियर लीग में बुधवार को यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ आठ विकेट की एकतरफा हार के बाद स्वीकार किया कि उनकी टीम को शुरुआत में अधिक विकेट गंवाने का नुकसान उठाना पड़ा।

आरसीबी की टीम एक समय 42 रन पर चार विकेट गंवा चुका थी लेकिन लिविंगस्टोन ने 40 गेंद में पांच छक्कों और एक चौके से 54 रन की पारी खेलने के अलावा जितेश शर्मा (33) के साथ पांचवें विकेट के लिए 52 और टिम डेविड (32) के साथ सातवें विकेट के लिए 46 रन जोड़कर आरसीबी का स्कोर आठ विकेट पर 169 रन तक पहुंचाया।

इसके जवाब में टाइटंस ने जोस बटलर की 39 गेंद में छह छक्कों और पांच चौकों से नाबाद 73 रन की पारी के अलावा सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (49) के साथ उनकी दूसरे विकेट की 75 और शेरफाइन रदरफोर्ड (नाबाद 30, 18 गेंद, तीन छक्के, एक चौका) के साथ तीसरे विकेट की 63 रन की अटूट साझेदारी से 17.5 ओवर में दो विकेट पर 170 रन बनाकर आसान जीत हासिल की। मोहम्मद सिराज ने 19 रन देकर तीन जबकि साई किशोर ने 22 रन देकर दो विकेट चटकाए जिससे आरसीबी ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए।

पाटीदार ने कहा कि उनकी की टीम नजरें 190 के आसपास का स्कोर बनाने पर थी। पाटीदार ने मैच के बाद कहा, ''200 नहीं लेकिन हम 190 के आसपास के स्कोर को लक्ष्य बना रहे थे। शुरुआती विकेटों ने इस मैच में हमें नुकसान पहुंचाया।'' उन्होंने कहा, ''इरादा अच्छा था लेकिन पावरप्ले में तीन विकेट गंवाने ने अंतर पैदा किया।'' पाटीदार ने कहा कि दूसरी पारी में पिच बल्लेबाजी के लिए थोड़ी बेहतर हो गई थी।

आईपीएल

जीटी के खिलाफ फील्डिंग के दौरान उंगली में चोट लगी जिसके कारण कोहली परेशान दिखे

विराट बिल्कुल ठीक हैं, चिंता की कोई बात नहीं : एंडी फ्लावर

नई दिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा कि गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ फील्डिंग के दौरान उंगली में चोट लगने के बावजूद विराट कोहली ठीक हैं और चिंता की कोई बात नहीं है।

जीटी द्वारा दिए गए 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान, 12वें ओवर में कोहली ने एक चौका रोकने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनकी उंगली पर लगी और सीमा रेखा के पार चली गई। दर्द के कारण कोहली परेशान दिखे, जिसके बाद टीम का फिजियो उनका इलाज करने मैदान पर आया। हालांकि, कोहली मैदान से बाहर चले गए, लेकिन उनकी उंगली में दर्द बना रहा। जीटी ने यह मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। मैच के बाद एंडी फ्लावर ने कहा, "विराट बिल्कुल ठीक हैं, चिंता की कोई बात नहीं है।"

एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपनी पुरानी टीम के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 19 रन देकर तीन विकेट लिए। सिराज को आरसीबी ने सात साल तक टीम में रखने के बाद रिलीज कर दिया था।

फ्लावर ने कहा, "टॉस काफी अहम था क्योंकि मैदान पर ओस थी। पहली पारी में गेंद थोड़ी रुककर आ रही थी। यह आमतौर पर चिन्नास्वामी की पिच जैसी नहीं थी, जहां गेंद तेजी से आती है। लेकिन इसका नतीजे पर ज्यादा असर नहीं पड़ा, गुजरात टाइटंस ने हमसे बेहतर खेला और सिराज ने बेहतरीन गेंदबाजी की।"

उन्होंने आगे कहा, "सिराज ने नई गेंद से शानदार स्पेल डाला। उसकी लाइन और लेंथ बहुत अच्छी थी और उसने स्टंप्स पर लगातार हमला किया। हम सब उसे बहुत पसंद करते हैं और उसकी काबिलियत को जानते हैं। हमने इस बार अच्छी नीलामी की और संतुलित टीम बनाई है। मैं सिराज को आगे के लिए शुभकामनाएं देता हूं।"

फ्लावर ने लियाम लिविंगस्टोन की 40 गेंदों पर 54 रन की पारी की भी तारीफ की। इसके अलावा जितेश शर्मा (33 रन) और टिम डेविड (32 रन) की पारियों से आरसीबी 169/8 तक पहुंच पाई, लेकिन यह जीत के लिए काफी नहीं था।

उन्होंने कहा, "हमने पावरप्ले में आक्रामक खेलने के चक्कर में कुछ जल्दी विकेट गंवा दिए, जो हमारे लिए बड़ा झटका था। आमतौर पर अगर पावरप्ले में विकेट खो देते हैं तो मुश्किल हो जाती है। लेकिन हमारी टीम ने संघर्ष किया। टिम डेविड, जितेश और लिविंगस्टोन ने अच्छी बल्लेबाजी कर हमें ऐसा स्कोर दिया जिससे हम मुकाबला कर सकते थे।"

आरसीबी की कप्तानी इस समय रजत पाटीदार कर रहे हैं। यह टीम अब चार दिन के ब्रेक के बाद मुंबई जाएगी, जहां 7 अप्रैल को वह वानखेड़े स्टेडियम में हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच खेलेगी।

द भूतनी में दिखाई देंगे सनी सिंह

अपनी आगामी फिल्म भूतनी के ट्रेलर लॉन्च पर अभिनेता सनी सिंह ने कहा कि वह हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहते थे। नी सिंह, मौनी रॉय, पलक तिवारी, संजय दत्त, निक और आसिफ खान 'द भूतनी' में नजर आएंगे। फिल्म का ट्रेलर फैंस को पसंद आ रहा है। कॉमेडी और हॉरर का मिक्सअप इस फिल्म में देखने को मिलेगा। ल्म के बारे में अपनी उत्सुकता साझा करते हुए सनी ने कहा, मैं हमेशा से हॉरर कॉमेडी करना चाहता था। जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी और सिद्धांत सचदेव से मिला, तो मुझे पूरा कॉन्सेप्ट पसंद आया। संजू सर के साथ, मुझे पता था कि यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा। द्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित और दीपक मुकुट और संजय दत्त द्वारा बनाई गई यह हॉरर-कॉमेडी एक भरपूर मनोरंजन करने का वादा करती है। नी ने कहा कि लोगों को फिल्म का पोस्टर बहुत पसंद आया है और मुझे भी। हर हॉरर कॉमेडी अनोखी होती है, लेकिन यह कॉन्सेप्ट पहले देखी गई किसी भी चीज से अलग है। इसे खूबसूरती से शूट किया गया है, और मेरे दोस्त पहले से ही उत्साहित हैं। दर्शकों ने पहले भी मेरी फिल्मों में मुझे पसंद किया है, और मुझे लगता है कि इस बार भी वे मुझे उतना ही प्यार देंगे।

यह फिल्म 18 अप्रैल को रिलीज होगी।

सनी ने 2007 में धारावाहिक कसौटी जिंदगी की टेलीविजन पर अपनी शुरुआत की, जिसमें उन्होंने कृतिका सेंगर द्वारा निभाए गए किरदार के प्रेमी की भूमिका निभाई। इसके बाद, उन्होंने 2009 के धारावाहिक शकुंतला में करण की भूमिका निभाई। सनी ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 2010 में पाठशाला से की थी, जिसमें उन्होंने शाहिद कपूर के साथ काम किया था। 2011 में उन्होंने मधुर भंडारकर की कॉमेडी फिल्म दिल तो बच्चा है जी में काम किया, जिसमें उन्होंने एक छोटी सी भूमिका निभाई थी। उनकी पहली प्रमुख भूमिका रोमांटिक ड्रामा आकाश वाणी में थी। न्होंने प्यार का पंचनामा 2 में कार्तिक आर्यन के साथ काम किया। 2011 में फिल्म प्यार का पंचनामा रिलीज हुई थी। जिसमें कार्तिक, नुसरत, ओमकार कपूर, इशिता राज शर्मा और सोनाली सह-कलाकार थे। ख्य अभिनेता के रूप में उनकी पहली रिलीज उजड़ा चमन थी, जो गंजेपन की अवधारणा पर आधारित थी। 2023 में उन्होंने रामायण पर आधारित फिल्म आदि पुरुष में लक्ष्मण की भूमिका निभाई।

सावित्रीबाई फुले का किरदार पर्दे पर निभाना बड़ी जिम्मेदारी थी

अभिनेत्री पत्रलेखा की अपकमिंग बायोपिक 'फुले' का ट्रेलर हाल ही में लॉन्च हुआ। फिल्म में अभिनेत्री सावित्रीबाई फुले की भूमिका में हैं। अभिनेत्री ने बताया कि पर्दे पर सावित्रीबाई फुले का किरदार निभाना, उनके लिए एक बड़ी जिम्मेदारी थी और उनका यह सफर भावनाओं से भरा रहा। इसे एक परिवर्तनकारी और बेहद प्रेरणादायक अनुभव बताते हुए, पत्रलेखा ने कहा कि समाज सुधारक की भूमिका निभाना उनके लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी, उन्होंने उनके संघर्ष, ताकत और विरासत को पर्दे पर दिखाने का प्रयास किया।

उन्होंने बताया, जब मुझे इस भूमिका के लिए संपर्क किया गया, मेरे विचार स्पष्ट थे। जब मैंने पहली बार अनंत सर से बात की, तो उन्होंने मुझे स्क्रिप्ट भेजी, जो काफी बड़ी थी। मुझे याद है कि मैंने उन्हें फोन करके कहा था, सर, यह स्क्रिप्ट बहुत बड़ी है। मेरे पास पढ़ने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन उन्होंने मुझे आश्वस्त करते हुए कहा कि यह सिर्फ पहला ड्राफ्ट है और वे इसे और बेहतर बनाएंगे। डेढ़ साल बाद, मुझे अंतिम स्क्रिप्ट मिली और यह खूबसूरती से लिखी गई थी। मैं मना नहीं कर सकी। मुझे बस इतना पता था कि मुझे इसका हिस्सा बनना है। पत्रलेखा ने सावित्रीबाई फुले के रूप में चुने जाने पर अपनी शुरुआती प्रतिक्रिया के बारे में भी बताया, उन्होंने स्वीकार किया कि वह इतनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उत्साहित और चिंतित दोनों थीं। अभिनेत्री ने बताया, ईमानदारी से कहूं तो मैं तुरंत ही इस किरदार की ओर आकर्षित हो गई। यह सिर्फ एक ऐतिहासिक शख्सियत का किरदार निभाने के बारे में नहीं था, यह साहस की कहानी के बारे में था। जब अनंत सर और मैंने पहली बार बात की, तो मैं ऐसे महत्वपूर्ण व्यक्ति का किरदार निभाने को लेकर चिंतित थी, लेकिन उन्होंने मेरी मदद की। उन्होंने कहा, अपनी चिंताओं को छोड़ो और बस करो। उस आश्वासन ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया। बेशक यह चुनौतीपूर्ण था, लेकिन एक बार जब मैं सेट पर गई, तो घबराहट गायब हो गई।

फिल्म में सावित्रीबाई का किरदार निभाना उनके लिए कितना चुनौतीपूर्ण था, इस बारे में अभिनेत्री ने कहा, मैं पहले तो काफी चिंतित थी, लेकिन अनंत सर ने मेरी मदद की। उन्होंने मुझे चीजों को समझने और अपना आत्मविश्वास पाने का मौका दिया। इस तरह के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक किरदार को निभाना कोई आसान काम नहीं है। टीम के सहयोग से मुझे किरदार में पूरी तरह से ढलने का आत्मविश्वास मिला। अनंत महादेवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में ज्योतिराव फुले की भूमिका में प्रतीक गांधी हैं। यह महात्मा फुले की 197वीं जयंती के मौके पर 11 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कजिन जान्हवी-खुशी को कड़ी टक्कर देंगी शनाया, हाथ लगी बड़ी फिल्म

शनाया कपूर अपनी पहली फिल्म की रिलीज से पहले ही कई बड़े प्रोजेक्ट्स से जुड़ चुकी हैं। इस लिस्ट मे करण जौहर की रोमांटिक ड्रामा फिल्म के अलावा मुंजा स्टार अभय वर्मा के साथ भी एक फिल्म शामिल है। एक खबर के मुताबिक शनाया कपूर स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 में नजर आएंगी। इस फिल्म में शनाया एक नहीं बल्कि डबल रोल निभाती नजर आएंगी। करण के इस बड़े प्रोजेक्ट के अलावा शनाया मुंजा स्टार अभय वर्मा के साथ भी एक फिल्म में नजर आएंगी।

शनाया का वर्कफ्रंट

इन फिल्मों से पहले शनाया की फिल्म तू या मैं का टीजर रिलीज हो चुका है, जिसमें वह आदर्श गौरव के साथ नजर आईं। यह एक रोमांचक थ्रिलर फिल्म है, जिसे आनंद एल. राय ने सपोर्ट किया है। प्रशंसकों को यह टीजर बहुत पसंद आया और वह लगातार शनाया की तारीफ कर रहे हैं। इसके अलावा शनाया विक्रांत मैसी के साथ फिल्म आंखों की गुस्ताखियां में भी आएंगी।

शनाया की तारीफ कर रहे हैं फैंस

सोशल मीडिया पर शनाया के फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। कुछ फैंस का मानना है कि वह सबसे अलग और स्मार्ट तरीके से काम कर रही हैं। तो वहीं कुछ फैंस का कहना है कि वह अपनी कजिन सिस्टर जान्हवी और खुशी से भी आगे निकल सकती हैं।

फिल्मी बैकग्राउंड से हैं शनाया कपूर

शनाया कपूर बॉलीवुड अभिनेता संजय कपूर की बेटी और महीप कपूर की बेटी हैं। संजय कपूर कई बॉलीवुड फिल्मों में बतौर हीरो अपनी छाप छोड़ चुके हैं। वहीं महीप को आपने सिंगर इला अरुण के प्रसिद्ध गाने निगोड़ी कैसी जवानी है में देखा होगा। महीप का करियर कुछ खास नही रहा, लेकिन अब उनकी बेटी शनाया कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा से पूरी तरह कटा दिशा वकानी का पत्ता

दिशा वकानी कई फिल्मों और टीवी शो का हिस्सा रही हैं, लेकिन उनका सबसे मशहूर किरदार तारक मेहता का उल्टा चश्मा की दया बेन का रहा है। उन्होंने 2017 में शो छोड़ दिया था। इसके बाद कई बार उनकी वापसी की खबरें आईं, लेकिन हर बार वह महज अफवाह साबित हुईं। अब शो में दया बेन की वापसी की खबरें फिर सामने आई हैं, लेकिन दिशा वकानी के रूप में नहीं, बल्कि नए कलाकार की कास्टिंग की खबरें सामने आई हैं। अब कथित तौर पर निर्माताओं ने दिशा का रिप्लेसमेंट ढूंढ लिया है। इससे पहले शो के निर्माता असित मोदी ने पुष्टि की थी कि दिशा शो में वापस नहीं आएंगी, जिसका मतलब था कि निर्माताओं को उनका रिप्लेसमेंट ढूंढना होगा। अब न्यूज 18 की रिपोर्ट के अनुसार, शो के निर्माता असित मोदी दया बेन की भूमिका के लिए ऑडिशन ले रहे थे और आखिरकार उन्होंने किसी को शॉर्टलिस्ट कर लिया है। एक सूत्र ने बताया है कि हां, यह सही है। असित नई दया बेन की तलाश में थे और हाल ही में एक ऑडिशन ने उन्हें काफी प्रभावित किया। अभिनेत्री के साथ मॉक शूट चल रहे हैं। वह हमारे साथ शूटिंग करते हुए यहां करीब एक सप्ताह से हैं।

दिशा की शादी नवंबर 2015 में हुई थी और 2017 में वह गर्भवती हो गईं। वह मातृत्व अवकाश पर चली गईं और फिर कभी शो में वापस नहीं आईं। बीच में चर्चा थी कि वह वापसी कर सकती हैं, लेकिन 2022 में उन्हें अपने दूसरे बच्चे का आशीर्वाद मिला। अभिनेत्री ने कथित तौर पर अभिनय छोड़ने का फैसला किया है।

ज्वेल थीफ में जयदीप और सिद्धार्थ के साथ काम करना रहा शानदार

सैफ अली खान की अपकमिंग थ्रिलर 'ज्वेल थीफ' नेटफ्लिक्स पर रिलीज के लिए तैयार है। फिल्म में अभिनेता जयदीप अहलावत और निर्माता-निर्देशक सिद्धार्थ आनंद के साथ काम करने को लेकर उत्साहित नजर आए। सैफ ने बताया कि उनके साथ काम करने का उनका अनुभव शानदार रहा। फिल्म में सैफ एक ठग की भूमिका में हैं। उन्होंने बताया कि निर्माता सिद्धार्थ आनंद के पास कहानी को पेश करने का खास तरीका है और इसी वजह से वह काफी उत्साहित हैं। सैफ ने बताया, सिद्धार्थ आनंद के साथ फिर से काम करना उत्साह और खुशियां देता है - वह एक्शन, स्टाइल और कहानी को एक ऐसे तरीके से ब्लेंड करना जानते हैं और ये खास होता है। ज्वेल थीफ के साथ हमने एकदम अलग और शानदार काम किया है, जिसे करने में बहुत मजा भी आया। सैफ ने कहा कि जयदीप ने प्रोजेक्ट में रोमांच को और बढ़ा दिया। अभिनेता जयदीप अहलावत के साथ स्क्रीन शेयर करने के उत्साह को जाहिर करते हुए सैफ ने कहा, जयदीप ने अनुभव को और भी रोमांचक बना दिया। मैं नेटफ्लिक्स पर इस फिल्म की रिलीज को लेकर उत्साहित हूं। फिल्म में माफिया की भूमिका निभा रहे जयदीप ने कहा, यह एक ऐसी फिल्म है जो दिलचस्प, चुनौतीपूर्ण और रोमांचक है। यह एक नए यूनिवर्स में जाने का अनुभव है, जिसमें ऐसे लोग हैं जो सर्वश्रेष्ठ देने के लिए उतने ही उत्साहित हैं, जितने आप।

25 साल बाद सलमान संग काम करने पर बोले संजय

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त ने शनिवार, 29 मार्च को सलमान खान के साथ एक नई एक्शन फिल्म पर काम करने की पुष्टि की। हाल ही में सलमान ने एक प्रेस मीट में खुलासा किया कि वह संजय के साथ एक बड़ी देहाती एक्शन फिल्म में काम करेंगे। अभिनेताओं ने रोमांटिक म्यूजिकल साजन और कॉमेडी फिल्म चल मेरे भाई में साथ काम किया था।

संजय ने की सिकंदर की तारीफ

संजय दत्त शनिवार को मुंबई में अपनी आने वाली हॉरर-कॉमेडी फिल्म द भूतनी के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुए। इस मौके पर बात करते हुए अभिनेता ने सलमान खान की फिल्म सिकंदर के ट्रेलर की तारीफ की, जो 30 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। संजय ने कहा, ट्रेलर सुपरहिट है। सलमान मेरा छोटा भाई है। मैं हमेशा उसके लिए प्रार्थना करता हूं। भगवान ने उसे बहुत कुछ दिया है। सिकंदर एक सुपरहिट फिल्म होगी। सलमान के साथ 25 साल बाद फिर से काम करने के बारे में उन्होंने कहा, हां, हम साथ काम कर रहे हैं। साजन और चल मेरे भाई के बाद आप हमारा टशन देखेंगे। यह एक एक्शन फिल्म है। मैं बहुत खुश हूं कि मैं 25 साल बाद अपने छोटे भाई के साथ काम कर रहा हूं। इससे पहले सलमान ने मुंबई प्रेस से बात करते हुए फिल्म के बारे में कहा था, सिकंदर के बाद मैं एक और बड़ी फिल्म कर रहा हूं, जिसमें अगले स्तर का एक्शन होगा। मेरा मतलब है देहाती एक्शन। मैं इसे इंडस्ट्री में अपने बड़े भाई संजय दत्त के साथ कर रहा हूं।

द भूतनी की कहानी

पहले खबर आई थी कि सलमान और संजय दत्त मध्य पूर्व में फिल्माई गई एक अमेरिकी थ्रिलर में नजर आएंगे। वहीं, बात करें द भूतनी की तो यह एक हॉरर-कॉमेडी है, जो एक भूतिया पेड़ के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में संजय दत्त एक भूत-शिकारी की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि मौनी रॉय फिल्म में भूतनी का किरदार निभा रही हैं। यह फिल्म 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

धोखाधड़ी के आरोपों पर श्रेयस तलपदे ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेता श्रेयस तलपदे गुरुवार को उस समय मुश्किल में पड़ गए जब उन पर उत्तर प्रदेश में करोड़ों रुपये के चिटफंड घोटाले में शामिल होने का आरोप लगा, लेकिन शुक्रवार को उनकी टीम ने आधिकारिक बयान जारी कर इन खबरों को खारिज कर दिया और कहा कि उनका इस धोखाधड़ी से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि ये खबरें निराधार और बेसलेस हैं। बयान जारी करते हुए अभिनेता की टीम ने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज की दुनिया में एक व्यक्ति की कड़ी मेहनत से अर्जित प्रतिष्ठा निराधार अफवाहों के कारण अनुचित रूप से धूमिल होने की चपेट में आती है। श्रेयस तलपदे पर धोखाधड़ी में शामिल होने का आरोप लगाने वाली हालिया रिपोर्टें पूरी तरह से झूठी और किसी भी तरह से निराधार हैं।

धोखाधड़ी में शामिल नहीं हैं अभिनेता

बयान में आगे कहा गया है, एक पब्लिक फिगर के रूप में श्रेयस को कई अन्य मशहूर हस्तियों की तरह अक्सर विभिन्न कॉर्पोरेट और वार्षिक कार्यक्रमों में आमंत्रित किया जाता है, जहां वे यथासंभव भाग लेते हैं। कहने की आवश्यकता नहीं है कि तलपदे का किसी भी धोखाधड़ी या गैरकानूनी कार्य से कोई संबंध नहीं है, जैसा कि आरोप लगाया जा रहा है और प्रसारित किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401